RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 324 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- | बेंगलूरु » बुधवार » 24-06-2026 | ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मेरी क्रिकेट किट खरीदने के लिये मां ने गहने बेच दिये थे : क्रांति गौड़

6 हकीकत को स्वीकार करने में झिझक कैसी?

7 स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए : चेतना पांडे

फर्स्ट टेक

अभिनेता प्रकाश राज के खिलाफ गैर-जमानती वारंट फिर जारी

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु की एक अदालत ने अभिनेता प्रकाश राज के खिलाफ गैर–जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) फिर से जारी किया है। यह कदम कर्नाटक समेत तीन राज्यों की चार अलग–अलग मतदाता सूची में प्रकाश राज का नाम शामिल होने से जुड़े आरोपों के सिलसिले में उठाया गया है। बेंगलूरु के वकील के दिलीप कुमार की याचिका के आधार पर अभिनेता के खिलाफ 12 जून को फिर से एनबीडब्ल्यू जारी किया गया। अदालत की कार्यवाही के अनुसार, यह अभिनेता के खिलाफ जारी किया गया तीसरा गैर–जमानती वारंट है। पुलिस आयुक्त के जरिये 17 फरवरी 2026 को समन जारी किया गया था। याचिका में दिए गए पते पर हालांकि अभिनेता नहीं मिले।

यूक्रेन ने क्रीमिया में रेलवे पुल पर हमला करने का दावा किया

कीव/एपी। यूक्रेन ने मंगलवार को दावा किया कि उसकी सेना ने क्रीमिया में एक रेलवे पुल, एक बिजली संयंत्र और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रतिष्ठानों पर हमला किया है। कीव के सैन्य अधिकारी 4 साल से जारी इस युद्ध के नये चरण में रूस के कब्ज़े वाले इस अहम प्रायद्वीप को अलग–थलग करने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन के ड्रोन हमलों ने काला सागर स्थित क्रीमिया प्रायद्वीप की समस्याओं को और बढ़ा दिया है। यूक्रेन द्वारा आपूर्ति मार्गों और बिजली तंत्र को बाधित करने के लिए हाल के दिनों में अभियान तेज किए जाने के कारण रूसी प्रशासन को आम नागरिकों के लिए पेट्रोल की बिक्री अस्थायी रूप से रोकनी करनी पड़ी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ग्रीष्मकालीन पर्यटन मौसम अपने चरम पर है और क्रीमिया में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी हुई है।

अमेरिका से मक्का, सोयाबीन, गेहूं खरीदेगा ईरान : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ शांति बातचीत को अमेरिकी किसानों के लिए लाभदायक बताया और कहा कि ईरान के रोके गए पैसे को मुक्त करने की शर्त यह होगी कि वह अमेरिका में उगाए गए मक्का, सोयाबीन और गेहूं खरीदे।
ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''ईरान को इन चीज़ों की बहुत ज़रूरत है... यह एक मानवीय संकट है और मुझे लगता है कि मदद करना ज़रूरी है।'' हालांकि इस बात की संभावना कम है कि ईरान अमेरिका से बड़ी मात्रा में कृषि उत्पाद खरीदना शुरू करेगा।

सूर्यास्त 24-06-2026	सूर्योदय 25-06-2026
6:48 बजे	5:55 बजे

BSE	NSE
76,200.68	23,824.10
(-893.39)	(-278.80)

सोना	चांदी
14,889 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	237,138 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्मान्तरण

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।।

पद्म पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी विजय अमृतराज, क्रिकेटर रोहित शर्मा, अभिनेता ममूटी, पार्श्व गायिका अलका याज्ञिक समेत 65 हस्तियों को प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में इन हस्तियों को सम्मानित किया। समारोह में राष्ट्रपति ने कुल 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री शामिल थे। इस समारोह में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पद्म पुरस्कार अलग–अलग क्षेत्रों में बेहतरीन सेवा और समर्पण का सम्मान हैं। उन्होंने लिखा, पुरस्कार पाने वाले हर व्यक्ति समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की सबसे अच्छी मिसाल हैं। उनका जीवन अनगिनत नागरिकों को प्रेरित करता है और सभी को कड़ी मेहनत एवं सेवा की ताकत की याद दिलाती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सम्मानित होने वाले लोगों को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मोदी जी के नेतृत्व में पद्म पुरस्कारों का स्वरूप बदला गया है, ताकि ऐसे लोगों को सम्मानित किया जा सके, जिन्होंने निस्वार्थ सेवा के ज़रिए समाज पर वास्तविक प्रभाव डाला है।

विभिन्न चुनौतियों से निपटने में ब्रिक्स की अहम भूमिका : अजीत डोभाल

होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी : डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का भारत स्वागत करता है। हमें आशा है कि यह काम करेगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने पश्चिम एशिया में तनाव खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का मंगलवार को स्वागत किया तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने कहा कि इससे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी और आवश्यक वस्तुओं एवं उवर्रकों की आपूर्ति शृंखला में रुकावटें खत्म होंगी।

डोभाल ने ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है।

डोभाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी, रूस के एनएसए सर्गेई शोइगु, ईरान के सुरक्षा अधिकारी जी निजामीपुर और ब्रिक्स देशों के अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारी शामिल हुए।

ब्रिक्स देशों के एनएसए की बैठक में अपने प्रारंभिक संबोधन में डोभाल ने भूराजनीतिक अनिश्चितताओं और आर्थिक अवरोधों के प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्रिक्स समूह को इन चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभानी चाहिए।

डोभाल ने कहा, ''अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का भारत स्वागत करता है। हमें आशा है कि यह काम करेगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा, ''होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना एक बहुत ही स्वागत योग्य घटनाक्रम है। इससे आपूर्ति शृंखलाओं में रुकावटें खत्म होंगी और उर्वरक एवं रसायन जैसे क्षेत्रों में कमी की समस्या का समाधान होगा।''

डोभाल ने अनेक वैश्विक चुनौतियों से निपटने में ब्रिक्स के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''हम बहुत उथल–पुथल भरे समय में बैठक कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि दुनिया भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबाव और ऐसे नवाचार का सामना कर रही है, जो स्थापित उद्योगों, व्यापार के मूलभूत सिद्धांतों और ग्राहकों के व्यवहार को बुनियादी तौर पर बदल देते हैं या पूरी तरह से बदल देते हैं। उन्होंने कहा, ''न केवल खतरे बढ़ रहे हैं, बल्कि इन संघर्षों को सुलझाने या कम करने के लिए मौजूद साधन और संस्थागत तंत्र भी अपर्याप्त साबित हो रहे हैं।''

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा

अगर आरएसएस मांगे गए दस्तावेज पेश नहीं करता, तो कानूनी कार्रवाई होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने मंगलवार को कहा कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से उसकी स्थापना और खर्च से जुड़े दस्तावेज़ दिखाने की मांग करते रहेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वह कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे। मंत्री ने 100 साल पुराने संगठन आरएसएस के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है, जिसमें मांग की गई है कि वे देश में अपने रजिस्ट्रेशन और वित्तीय लेन–देन के दस्तावेज दिखाएं। आरएसएस की स्थापना और इसके खर्च के बारे में सोशल मीडिया पर पूछे गए सवाल की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने पत्रकारों से कहा, मैंने उनसे जानकारी मांगे अभी एक सप्ताह ही हुआ है। वे 100 साल के इतिहास वाले देशभक्त हैं। उनके पास कहीं न कहीं दस्तावेज जरूर होंगे–या तो नागपुर में या बेंगलूरु स्थित 'केशव कृपा' (आरएसएस का प्रदेश मुख्यालय) में या सरसंघचालक के घर पर।''

इस बात पर जोर देते हुए कि आरएसएस नेताओं को जल्द ही दस्तावेज मिल जाएंगे, उन्होंने कहा कि 100 साल पुराने संगठन को कुछ समय दिया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा, ''इतनी जल्दी क्या है? उन्हें कुछ समय दीजिए। अगर उनके पास कोई दस्तावेज नहीं है, तो हो सकता है कि उन्हें वे तैयार करने पड़ें।'' जब पत्रकारों ने पूछा कि अगर आरएसएस ने दस्तावेज नहीं दिखाए तो क्या होगा, तो खरगे ने कहा कि देश में कानून है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह आरएसएस से उसका रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज मांग रहे हैं, तो खरगे ने कहा कि बात रजिस्ट्रेशन दस्तावेज की नहीं है, बल्कि यह जानने की कोशिश है कि वे कौन हैं। उन्होंने कहा, ''वे निश्चित रूप से हमारे पास आएंगे। इस मुद्दे पर वरिष्ठ वकीलों के लंबे संपादकीय, सोशल मीडिया पर बड़ी–बड़ी पोस्ट या पॉडकास्ट से मुझ पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जो लोग आरएसएस का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं, मैं उनसे बातचीत करने के लिए तैयार हूं।''

आप विधायक चैतर वसावा, आठ अन्य को सात साल की सजा

राजपीपला (गुजरात)/भाषा। गुजरात के राजपीपला की एक सत्र अदालत ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक चैतर वसावा, उनकी पत्नी शकुंतला वसावा और सात अन्य व्यक्तियों को वन अधिकारियों पर हमले और जबरन वसूली के एक मामले में दोषी ठहराते हुए सात–सात वर्ष कारावास की सजा सुनाई। सरकारी वकील वंदना भट्ट ने बताया कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए वी हिरपारा ने उनमें से प्रत्येक पर 25,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। आरोपियों में विधायक की पत्नी शकुंतला वसावा सहित चार महिलाएं शामिल थीं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 30 अक्टूबर 2023 को हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वन विभाग के अधिकारियों ने सरकारी भूमि पर अवैध रूप से उगाई गई कपास की फसल हटायी थी, जिसके बाद विवाद उत्पन्न हो गया था। अभियोजन के अनुसार अधिकारियों को मुद्दे पर चर्चा के लिए नर्मदा जिले में डेडियापाड़ा कस्बे स्थित विधायक वसावा के आवास पर बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि डेडियापाड़ा (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले आदिवासी नेता वसावा ने अपने घर पर अधिकारियों को धमकाया, उनमें से एक को थप्पड़ मारा और पिस्तौल से हवा में गोली चलाई।

'न्याय प्रदान करने की व्यवस्था मूल रूप से मानवीय कोशिश रहनी चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

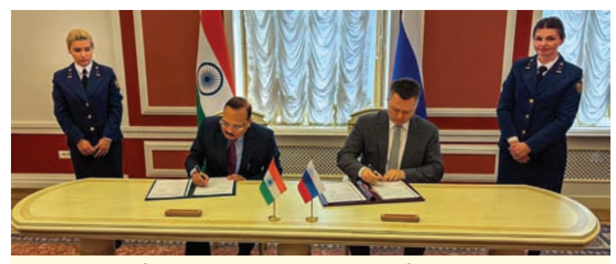

▪ अदालतों का मूल उद्देश्य न्याय को इस तरह से बनाए रखना है कि जनता का भरोसा कायम रहे।

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने मंगलवार को कहा कि न्याय प्रदान करने की व्यवस्था मूल रूप से मानवीय कोशिश ही रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) न्यायाधीशों की मदद कर सकता है, लेकिन यह न तो फैसले तय कर सकता है और न ही न्यायिक विवेक का इस्तेमाल कर सकता है।

मॉस्को में रूस के उच्चतम न्यायालय के प्रमुख इगोर क्रासनोव के साथ बैठक के दौरान अपने संबोधन में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अगर प्रौद्योगिकी अदालतों की क्षमताएं बढ़ाती है, तो लोगों में किया गया निवेश ही यह तय करता है कि उन क्षमताओं का कितना प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि संस्थाएं विकसित हो सकती हैं, प्रौद्योगिकी बदल सकती है और नई चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन अदालतों का मूल उद्देश्य न्याय को इस तरह से बनाए रखना है कि जनता का भरोसा कायम रहे।

सीजेआई ने कहा, ''फिर भी, भले ही हम नवोन्मेष को अपनाएं, लेकिन हम इसकी सीमाओं के प्रति पूरी तरह जागरूक हैं। न्याय प्रदान करने की व्यवस्था मूल रूप से मानवीय कोशिश है और इसे ऐसा ही बने रहना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि एआई जानकारी को व्यवस्थित करने, अनुवाद में मदद करने, प्रतिलिपि तैयार करने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आसान बनाने में न्यायाधीशों की मदद कर सकता है, लेकिन ''यह नतीजों का फैसला नहीं कर सकता, गवाहों की विश्वसनीयता नहीं परख सकता, सबूतों का मूल्यांकन नहीं कर सकता या न्यायिक विवेक का इस्तेमाल नहीं कर सकता''।

सीजेआई ने कहा कि यह न्यायपालिका में एआई के इस्तेमाल के लिए हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा अधिसूचित नियमों के मसौदे में दिखता है। इन नियमों का मकसद न्यायिक स्वतंत्रता और मानवीय निगरानी को बनाए रखते हुए एआई का जिम्मेदारी से इस्तेमाल सुनिश्चित करना है।

टेलीग्राम की भारत में वापसी, अस्थायी प्रतिबंध समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संदेश ऐप टेलीग्राम की सेवाएं मंगलवार को भारत में बहाल हो गईं। एक सप्ताह का सरकारी प्रतिबंध समाप्त होने के बाद सेवाएं बहाल हुईं।

यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर दोबारा उपलब्ध हो गया, हालांकि कुछ घंटों तक यह एप्पल के ऐप स्टोर पर उपलब्ध नहीं था।

कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए ऐप मंगलवार सुबह चालू हो गया था, जबकि दोपहर करीब 12 बजे तक यह ऐप एप्पल के ऐप स्टोर से हटा हुआ था। एप्पल ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

एप्पल आईफोन के मौजूदा उपयोगकर्ता हालांकि संदेश सेवा का उपयोग कर पा रहे हैं।

एफआईएच प्रो लीग में 4-3 से

भारत ने पाकिस्तान को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ पिछले एक दशक का अपराजेय अभियान जारी रखते हुए एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण का आगाज 4 . 3 से जीत के साथ किया हालांकि आखिरी क्वार्टर में दो गोल नहीं गंवाये होते तो जीत का अंतर बेहतर होता ।

प्रो लीग की तालिका में आखिरी स्थान पर काबिज पाकिस्तान ने आठवें मिनट में ही नदीम अहमद के गोल के दम पर बढत बना ली । भारत के लिये दूसरे क्वार्टर में 22वें मिनट में अभिषेक ने फील्ड गोल करके बराबरी दिलाई और 24वें मिनट में नीलाकांता शर्मा ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके बढत दिला दी । हाफटाइम तक भारत 2–1 से आगे था ।

तीसरे क्वार्टर में सुखजीत सिंह ने 40वें मिनट में फील्ड गोल करके बढत 3 . 1 की कर दी । चौथे क्वार्टर में 52वें मिनट में राजिंदर सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर भारत का चौथा गोल किया तो बड़े अंतर से जीत तय लग रही थी । लेकिन आखिरी क्षणों में गोल गंवाने और डिफेंस के चरमराने की कमजोरी फिर उजागर हुई और पाकिस्तान के लिये महमूद अबू (53वां मिनट) और शकील मोईन (60वां) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत की जीत का अंतर कम कर दिया ।

इथेनॉल मिश्रित ईंधन सुरक्षित, वाहन बीमा की वैधता पर असर नहीं पड़ेगा : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि भारत का इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम सुरक्षित, ग्राहक अनुकूल और आर्थिक रूप से फायदेमंद है। सरकार ने ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों की बीमा पॉलिसी की वैधता प्रभावित होने संबंधी चिंताओं को खारिज कर दिया। तेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ई20 ईंधन के इस्तेमाल से बीमा अमान्य होने के दावों को लेकर संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत करके स्थिति स्पष्ट कर ली गई है और ये दावे गलत पाए गए हैं। बयान में कहा गया है, इथेनॉल मिश्रण वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य प्रक्रिया है, जो अमेरिका, ब्राजील और जापान समेत कई देशों में सफलतापूर्वक अपनाई गई है। इसमें कहा गया है कि ब्राजील ने लंबे समय से अधिक मात्रा में इथेनॉल मिलाने का तरीका अपनाया है और ई27 वहां का मानक पेट्रोल मिश्रण है। बयान के मुताबिक, इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम से कच्चे तेल के आयात में कमी आई है, जिससे भारत को विदेशी मुद्रा के रूप में 1.4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बचत करने में मदद मिली है।

भारत-इटली के सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगी संस्कृति : एंटोनियो बार्टोली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इटली के राजदूत एंटोनियो बार्टोली ने कहा कि उनके देश को पूरा विश्वास है कि संस्कृति इटली व भारत के लोगों तथा समाजों के बीच मित्रता और संवाद का सशक्त माध्यम बनी रहेगी जिससे दोनों देशों के बीच आपसी समझ और गहरी होगी तथा उनके संबंध लगातार मजबूत होते जाएंगे।

बार्टोली सोमवार को यहां हुमायूं के मकबरे के संग्रहालय में आयोजित प्रदर्शनी 'वन मदर, मैनी मदर टंग्स' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस प्रदर्शनी में दुर्लभ और बहुमूल्य कलाकृतियों तथा मूर्तियों का प्रदर्शन किया गया है। इनमें इटली के पुनर्जागरण काल के महान चित्रकार सान्द्रो बोत्तीचेल्ली की प्रसिद्ध पेंटिंग 'मैडोना एंड चाइल्ड' भी शामिल है। फ्लोरेंस के म्यूजियो स्टिबर्ट से लाई गई 15वीं शताब्दी की यह कलाकृति पहली बार भारत में प्रदर्शित की जा रही है।

प्रदर्शनी में भारत और इटली के कई संग्रहालयों के साथ–साथ तीन निजी संग्रहों से लाई गई 27 कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। इनका संयोजन यहां इतालवी दूतावास सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक एंड्रिया अनास्तासियो और दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में कला इतिहास के प्रोफेसर नमन आहूजा ने संयुक्त रूप से किया है।

बार्टोली ने कहा, हम इटली और भारत के 13 संग्रहालयों तथा तीन निजी संग्रहों की कलाकृतियों को एक साथ ला रहे हैं। यह मिलकर काम करने की इच्छा और क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है।

संग्रहालय, विद्वान, सार्वजनिक संस्थान और अन्य साझेदार शैक्षणिक गुणवत्ता, सांस्कृतिक प्रासंगिकता तथा जनहित से जुड़ी उत्कृष्ट पहल तैयार करने के लिए साथ आए हैं।

देर से घर से निकलने और लंबा रास्ता लेने के कारण छात्रा नीट परीक्षा से चूकी : बेंगलूरु यातायात पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु यातायात पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसकी ''तथ्यान्वेषी जांच'' से पता चला है कि एक छात्रा 21 जून को आयोजित नीट परीक्षा में देर से घर से निकलने और अपेक्षाकृत लंबा मार्ग चुनने के कारण शामिल नहीं हो सकी। पुलिस ने बताया कि यह निष्कर्ष सीसीटीवी फुटेज, आर. टी. नगर क्षेत्र की अभ्यर्थी और उसके अभिभावकों से बातचीत तथा मार्ग विश्लेषण के आधार पर निकाला गया है। यातायात पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि सीसीटीवी विश्लेषण और मार्ग सत्यापन से यह स्थापित हुआ है कि नीट अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद परीक्षा केंद्र पहुंची थी।

पुलिस ने कहा, ''यातायात की स्थिति सामान्य पाई गई और आवश्यकता पड़ने पर यातायात पुलिस कर्मियों ने आवागमन सुगम बनाने में सहायता की। परीक्षा छूटने का मुख्य कारण घर से देर से निकलना और मार्ग का चयन था।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ सरकार पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि बेंगलूरु यातायात पुलिस द्वारा नीट अभ्यर्थी की देरी को लेकर जारी ''तथ्यान्वेषी जांच'' रिपोर्ट कांग्रेस सरकार की ओर से सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करके खुद को जनता के गुस्से से बचाने की 'बेहद निराशाजनक' कोशिश है।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को बेशर्म और असंवेदनशील बताते हुए भाजपा ने कहा कि जिन छात्रों का भविष्य अधर में लटका है, उनके प्रति सहानुभूति दिखाने के बजाय प्रशासन अपनी सारी ऊर्जा एक परेशान अभ्यर्थी के आने-जाने के तरीके का बारीकी से विश्लेषण करने में लगा रहा है। तथ्यान्वेषी जांच का विवरण साझा करते हुए पुलिस ने बताया कि अभ्यर्थी दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर आरटी नगर स्थित अपने घर से निकली थी, जबकि परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अंतिम निर्धारित समय-सीमा अपराह्न एक बजकर 30 मिनट थी। पुलिस के अनुसार, अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र क्षेत्र में अपराह्न एक बजकर 33 मिनट पर पहुंची, जो निर्धारित समय-सीमा के बाद था। यातायात पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और मार्ग विश्लेषण से पुष्टि हुई है कि अभ्यर्थी अंतिम समय-सीमा से केवल 33 मिनट पहले घर से निकली थी। पुलिस ने बताया कि विश्लेषण से यह भी संकेत मिला है कि अभ्यर्थी ने उपलब्ध छोटे मार्ग की बजाय अपेक्षाकृत लंबा मार्ग चुना, जबकि छोटे मार्ग से वह जल्दी पहुंच सकती थी। तथ्यान्वेषी जांच रिपोर्ट में कहा गया, ''उस दिन यातायात की स्थिति सामान्य थी और किसी सार्वजनिक कार्यक्रम के कारण कोई बड़ा जाम नहीं था। मार्ग पर तैनात यातायात पुलिस कर्मियों ने आवश्यकता पड़ने पर अभ्यर्थी की आवाजाही सुगम बनाने में मदद की।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नीट परीक्षा वाले दिन (21 जून) बेंगलूरु में कांग्रेस की एक बड़ी रैली आयोजित करने को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा था। भाजपा का आरोप था कि रैली के कारण यातायात बाधित हुआ और परीक्षा केंद्रों की ओर जा रहे छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए राज्य के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा कि तीन छात्राएं परीक्षा से वंचित रही थीं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक छात्रा मगडी से आयी थी, जिसका कांग्रेस रैली से कोई संबंध नहीं था, दूसरी अभ्यर्थी के पास पुराना प्रवेश पत्र था और केवल एक अभ्यर्थी आर. टी. नगर क्षेत्र से आयी थी।

खरगे ने केंद्र सरकार द्वारा नीट के लिए जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का हवाला देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों के द्वार पूर्वाह्न 11 बजे खोले गए थे और अपराह्न 1:30 बजे बंद कर दिए गए थे, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं थी।

मानसून की कमी से 111 जिलों में फसल नुकसान का सबसे ज्यादा खतरा : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने 111 जिलों की पहचान की है जहां फसल को सबसे ज्यादा नुकसान का खतरा है, क्योंकि अल नीनो के कारण मानसून में 43 प्रतिशत की कमी खरीफ की बुवाई को प्रभावित कर रही है।

चौहान ने कहा कि मानसून की कमजोर स्थिति दो जुलाई तक बने रहने की संभावना है, जिससे किसानों के पास खरीफ (गर्मी) की फसल बोने के लिए बहुत कम समय बचेगा। 22 जून तक, खरीफ फसलों की बुवाई कुल बोए जाने वाले क्षेत्र के 10 प्रतिशत से भी कम हिस्से में हुई है, जो पिछले साल की इसी अवधि में दर्ज एक करोड़ 17.9 लाख हेक्टेयर की तुलना में थोड़ा अधिक यानी एक करोड़ 19.9 लाख हेक्टेयर है। और सोयाबीन को छोड़कर ज्यादातर फसलें आगे चल रही हैं।

मानसून की प्रगति पर समीक्षा बैठक के बाद चौहान ने पत्रकारों से कहा, ''कुल मिलाकर, मानसून की बारिश में 43 प्रतिशत की कमी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि कमजोर मानसून दो जुलाई तक जारी रहने की संभावना है। इसका मतलब है कि खरीफ फसलों पर असर पड़ सकता है।'' मंत्रालय ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 315 जिलों की पहचान की है, जहां सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। इनमें से 111 जिलों (जिनमें महाराष्ट्र के 20 जिले शामिल हैं) को ''सबसे ज्यादा जोखिम वाले'' जिलों के तौर पर वर्गीकृत किया गया है, क्योंकि वहां सिंचाई की सुविधा 25 प्रतिशत से कम है। 25-50 प्रतिशत सिंचाई सुविधा वाले 76 जिले ''मध्यम

जोखिम'' वाली श्रेणी में आते हैं, जबकि पर्याप्त बांध और सिंचाई बुनियादी ढांचे वाले 128 जिलों को ''सबसे कम जोखिम'' वाला माना गया है। मंत्रालय ने राज्य-वार आकस्मिक योजनाएं तैयार की हैं, जिनमें कम बारिश की स्थिति के अनुकूल वैकल्पिक फसलों की सिफारिश की गई है। राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे कम पानी की जरूरत वाली दालों, तिलहनों और मोटे अनाजों को बढ़ावा दें और किसी एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय कम समय में तैयार होने वाली और जलवायु के अनुकूल बीजों की किस्मों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

मंत्री ने कहा, ''बारिश में कमी है। हमें किसानों को वैकल्पिक फसलें अपनाने का सुझाव देने की जरूरत है। हम खेतों को खाली नहीं रहने देंगे।'' उन्होंने कहा कि इस सत्र के लिए बीज और खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। जलाशयों में पानी का स्तर अभी पिछले साल के मुकाबले ज्यादा है, हालांकि इसमें कमी आ रही है। राज्यों से कहा गया है कि वे पानी का समझदारी से इस्तेमाल करें और सिंचाई की जरूरतों के लिए पानी बचाने के मकसद से वीबी-ग्राम जी (विकसित भारत रोजगार गारंटी और आजीविका मिशन ग्रामीण) कार्यक्रम के तहत तालाबों, नदियों, खेतों के तालाबों और चेक डैम की सफाई करें।

मंत्रालय ने चुनिंदा राज्यों में फसल बीमा योजनाओं और किसान क्रेडिट कार्ड के तहत बड़े पैमाने पर पंजीकरण करने को कहा है। 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) से कहा गया है कि वे किसानों तक अपनी पहुंच बढ़ाएं और एसएमएस, व्हाट्सएप, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से समय-समय पर सलाह पहुंचाएं।

उत्पादन के अनुमानों पर चौहान ने कहा कि ये अनुमान सामान्य स्थितियों पर आधारित हैं, लेकिन उन्होंने भरोसा दिलाया, ''हम यह पक्का करेंगे कि उत्पादन में कोई कमी न आए।''

मंत्रालय ने वास्तविक समय पर निगरानी और सलाह देने के लिए एक 'अल नीनो निगरानी प्रकोष्ठ' और 'क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप' बनाया है। संवाददाता सम्मेलन में कृषि सचिव अतिश चंद्र, आईसीएआर के महानिदेशक एमएल जाट और कृषि आयुक्त पीके सिंह भी मौजूद थे।

कर्णप्रयाग, नगरासू घटनाओं के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि कर्णप्रयाग और नगरासू में सामने आई घटनाओं के संबंध में निष्पक्ष कार्रवाई की जा रही है और जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ यहां हुई उच्चस्तरीय बैठक में कहा, ''सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार, प्रशासन और पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। जांच में जो भी दोषी पाया गया है, उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है और तथ्यों के आधार पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

धामी ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट रुख है कि देवभूमि में ऐसा कोई कृत्य स्वीकार नहीं किया जाएगा, जिससे किसी व्यक्ति की गरिमा या किसी धर्म और आस्था को ठेस पहुंचे।

कर्णप्रयाग में 16 जून को स्थानीय लोगों और निहंग सिखों के बीच मामूली विवाद के दौरान कथित तौर पर तलवार से किये गये हमले में कुछ लोग घायल हो गए थे।

घटना में एक निहंग सिख भी घायल हुआ था।

पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर चार निहंग सिखों को गिरफ्तार किया था। कर्णप्रयाग घटना में गिरफ्तार निहंगों की रिहाई की मांग को लेकर 20 जून की शाम कुछ निहंग रुद्रप्रयाग जिले के बदरीनाथ राजमार्ग स्थित नगरासू गुरुद्वारे की छत पर चढ़ गए थे और छत पर जाने का द्वार बंद कर दिया था।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

धामी ने उत्तराखंड को आस्था, संस्कृति और प्रकृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए श्रद्धालुओं और पर्यटकों से अपील की कि वे देवभूमि के शांत वातावरण में अपनी यात्रा का आनंद लें तथा किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

धामी ने सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने वालों से समाज और समुदायों को बांटने वाले प्रयासों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि भ्रामक और भड़काऊ खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, हेमकुंड साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा और बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी मौजूद थे।

दिल्ली: तकिया काले खां में आग लगने से 30 झुग्गियां जलकर खाक, पुलिस ने 12 लोगों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मध्य दिल्ली के तकिया काले खां इलाके में आग लगने से कम से कम 30 झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं, जिसके बाद बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया और पुलिस ने 12 लोगों को खतरे वाले क्षेत्र से बाहर निकाला। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने का सही कारण अब पता नहीं चल पाया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, सोमवार रात 11.22 बजे आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की 24 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने कहा कि दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में लगभग तीन घंटे लगे।

डीएफएस ने कहा कि सोमवार देर रात 12.55 बजे तक आग बुझा दी गई, जिसके बाद शीतलन अभियान चलाया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आग उस क्षेत्र में लगी जहां पुराना फर्नीचर, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी, जिसके चलते घना धुआं फैल गया और दहशत पैदा हो गई कि आग आसपास के घरों में भी फैल जाएगी।

अधिकारी ने कहा, टीमों ने घर-घर जाकर निकासी की और परिवारों को प्रभावित क्षेत्र से दूर जाने के लिए राजी किया। समय पर हस्तक्षेप से, आग के और फैलने से पहले टीमों ने 12 लोगों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया।

सूरत में बुजुर्ग दंपति ने इच्छा-मृत्यु की मांग की, अधिकारियों पर 'आर्थिक उत्पीड़न' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत शहर में एक बुजुर्ग जोड़े ने नगर निकाय के अधिकारियों और स्थानीय नेताओं पर उनका आर्थिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए इच्छा-मृत्यु की इजाजत मांगी है। श्याम गहलोत (73) और उनकी पत्नी मधु (68) ने हाल में अपनी दुकानें सील किए जाने के बाद सूरत के जिलाधिकारी तेजस परमार को पत्र लिखकर इच्छा-मृत्यु की इजाजत देने की मांग की है।

नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि दंपति की 11 दुकानों को सील कर दिया गया है, क्योंकि उन्हें गुजरात अनधिकृत विकास नियमितीकरण (जीआरयूडीए) अधिनियम, 2022 के तहत नियमित करवाना जरूरी है। अधिकारी के मुताबिक, दुकानों के नियमितीकरण के लिए दंपति को कुछ दस्तावेज जमा करने होंगे। गहलोत दंपति ने जिलाधिकारी को 19 जून को लिखे पत्र में कहा, सूरत नगर निगम के उधना दक्षिण जोन के कार्यकारी अभियंता और कुछ राजनीतिक हस्तियों की ओर से लगातार किए जा रहे असहनीय शारीरिक, मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न के कारण इच्छा-मृत्यु की अनुमति देने का अनुरोध है। मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले गहलोत दंपति ने साल 2016 में एक हादसे में अपने परिवार के नौ सदस्यों को गंवा दिया था। वे अब सूरत के पांडेसारा इलाके में रहते हैं। दंपति ने बमरोली ग्राम पंचायत में अलग-अलग भूखंड पर 12 दुकानें खरीदी थीं, जो बाद में सूरत नगर निगम (एसएमसी) के अधिकार क्षेत्र में आ गईं।

दक्षिण दिल्ली में फुटपाथ से बच्ची का अपहरण, बलात्कार और फिर हत्या, कैब चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में अपने परिवार के साथ फुटपाथ पर सो रही 11 साल की एक लड़की का अपहरण कर उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया और फिर उसे मार डाला गया।

एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी कैब चालक ने जुर्म छिपाने की कोशिश में उसके शव को फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड के किनारे एक जंगल में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के छह घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। महरौली में फुटपाथ पर रहने वाले परिवार को सोमवार सुबह लड़की नहीं मिली तब उन्होंने उसे खोजना शुरू किया। पुलिस के मुताबिक, बच्ची को सुबह करीब 4:15 बजे फुटपाथ से कथित तौर पर अगवा कर लिया गया, जब वह सो रही थी। थोड़ी देर बाद उसके पिता की नींद खुली तो उन्होंने एक सफेद कार को जाते हुए देखा और उन्हें एहसास हुआ कि लड़की वहां नहीं है। परिवार के सदस्यों ने सुबह करीब 4:58 बजे पुलिस को फोन किया, और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, आरोपी करीब 30 साल का कैब चालक है और बिहार का रहने वाला है।

एफसीएनआर (बैंक) अदला-बदली सुविधा में केवल मूलराशि शामिल, ब्याज नहीं : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि विदेशी मुद्रा प्रवासी जमा (एफसीएनआर) के लिए अदला-बदली सुविधा एक साधारण विदेशी मुद्रा अदला-बदली है लेकिन इसमें केवल मूल राशि शामिल है, ब्याज नहीं। केंद्रीय बैंक ने एफसीएनआर (बैंक) जमा, विदेशी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) और विदेशी मुद्रा उधारी के बारे में 'अक्सर पूछे जाने वाले सवालों' (एफएक्यू) की सूची जारी करते हुए यह जानकारी दी।

आरबीआई ने कहा कि बैंक एफसीएनआर (बी) खाताधारकों को ऋण दे सकते हैं और इन जमाओं को ऋण के बदले गिरवी भी रख सकते हैं। रिजर्व बैंक ने बैंकों को बिना जोखिम के नए एफसीएनआर (बी) जमा जुटाने में मदद के लिए आठ जून को विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली योजना शुरू की थी। इसका मकसद विदेशी पूंजी आकर्षित करना है।

इस योजना के तहत बैंकों को तीन से पांच वर्ष की अवधि वाले एफसीएनआर (बी) जमा पर अधिक ब्याज दर देने की मंजूरी दी गई है।

आरबीआई ने कहा, रिजर्व बैंक प्राप्त जमा के लिए विदेशी मुद्रा अदला-बदली उपलब्ध कराएगा। यह एक साधारण खरीद/बिक्री विदेशी मुद्रा अदला-बदली है, जो केवल मूल राशि को कवर करता है, ब्याज घटक को नहीं।

एफएक्यू के अनुसार, बैंक तीन वर्ष से कम अवधि के लिए भी मुद्रा अदला-बदली कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए न्यूनतम तीन वर्ष की मूल अवधि वाले नए पात्र एफसीएनआर (बी) जमा जुटाने अनिवार्य होंगे।

केंद्रीय बैंक ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के तीन वर्ष या उससे अधिक औसत परिपक्वता वाले बाह्य वाणिज्यिक उधारी के लिए भी डॉलर-रुपया अदला-बदली सुविधा शुरू की है। इसकी अवधि उधार की परिपक्वता या पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुरूप होगी, जिसकी अधिकतम अवधि पांच वर्ष होगी।

इसके अलावा, अधिकृत डीलर श्रेणी-1 बैंकों द्वारा जुटाए गए न्यूनतम तीन वर्ष की परिपक्वता वाले विदेशी मुद्रा उधार के लिए भी यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

इंदौर में खुदाई के दौरान पीएनजी लाइन में विस्फोट, महिला समेत चार लोग झुलसे

इंदौर/भाषा। इंदौर में मंगलवार को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की भूमिगत लाइन के ऊपर चल रही खुदाई के दौरान ड्रिलिंग मशीन के लाइन से टकराने के बाद विस्फोट के साथ आग लगने के कारण एक महिला समेत चार लोग झुलस गए, जबकि दो वाहन जल गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। विजय नगर थाने के उप निरीक्षक अजय सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटना साजन नगर कॉलोनी में हुई, जहां नलकूप खनन या जल संरक्षण (वॉटर हार्वेस्टिंग) से जुड़ा काम चल रहा था। उन्होंने बताया कि ड्रिलिंग मशीन अवंतिका गैस की भूमिगत पीएनजी लाइन से टकरा गई जिससे विस्फोट हुआ और आग लग गई। सिंह ने बताया कि विस्फोट के समय घटनास्थल से गुजर रहे राहगीर आग की जद में आकर झुलस गए।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि चार घायलों में तीन पुरुष और एक महिला शामिल हैं तथा उनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। सिंह ने बताया कि घायलों में शामिल महिला करीब 20 प्रतिशत झुलसी है, जबकि अन्य लोगों को अपेक्षाकृत कम चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि घायलों में एक मैकेनिक भी है जिसके हाथ में मामूली चोट लगी है। पुलिस अधिकारी के अनुसार घटना में दो वाहन भी जल गए।

ईडी ने राजेश एक्सपोर्ट्स के ठिकानों की तलाशी ली

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को राजेश एक्सपोर्ट्स के ठिकानों की तलाशी ली। कंपनी कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि बेंगलूरु में मुख्यालय वाली इस कंपनी के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत कार्रवाई की गई है।

सूत्रों ने बताया कि बेंगलूरु और मुंबई में कंपनी से जुड़े कई स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक अंतरिम आदेश के मुताबिक, ''राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड पर आरोप है कि उसने पांच वर्षों में अपने समेकित राजस्व को 15 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया। कंपनी ने यह आय मुख्य रूप से अपनी विदेशी अनुषंगियों, विशेषकर स्विट्जरलैंड स्थित वैलकैम्बी एसए से दिखाई, जबकि उस अनुषंगी के वित्तीय लेखापरीक्षण रिपोर्ट में राशि बहुत कम दिखाई गई थी।'' सेबी ने आदेश में कहा कि कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक राजेश मेहता पर अगले आदेश तक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से राजेश एक्सपोर्ट्स की प्रतिभूति खरीदने, बेचने या उनमें लेन-देन करने को लेकर रोक रहेगी। राजेश एक्सपोर्ट्स ने किसी भी तरह की वित्तीय अनियमितता से इनकार किया है। कंपनी का कहना है कि उसके द्वारा उल्लेखित आय सही थी और ऐसा प्रतीत होता है कि बाजार नियामक और कंपनी के बीच संवाद में कोई कमी रह गई थी।

पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी की खाई में धक्का देकर की गई थी हत्या, मंगेतर सहित दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे में रियल एस्टेट कंपनी के निदेशक केतन विशाल अग्रवाल की सुनियोजित तरीके से खाई में धक्का देकर हत्या की गई थी और उसे हादसे का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने मंगलवार को यह सनसनीखेज खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि मामले में केतन की मंगेतर और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना 18 जून की है। शुरुआत में इसे लोहागढ़ किले से पैर फिसलने के कारण हुई दुर्घटना माना जा रहा था लेकिन गहन जांच में यह एक सुनियोजित हत्या की साजिश निकली। पुलिस ने बताया कि केतन अपनी मंगेतर सिया गोयल का जन्मदिन मनाने के लिए 18 जून को लोहगढ़ ट्रेकिंग पर गए थे। दोनों की शादी नवंबर में होने वाली थी।

खबरों के मुताबिक, परिवारों ने शादी के लिए राजस्थान में एक महल को 17 करोड़ रुपए में बुक किया था और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए दो निजी विमानों की व्यवस्था की गई थी। सिया ने शुरुआत में पुलिस को बताया कि तस्वीर खिंचवाते समय केतन का पैर फिसल गया और वह खाई में गिर गया। तीन घंटे चले बचाव अभियान के बाद बचाव दल ने उसका शव बाहर

निकाला। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सिया और उसके प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी ने केतन को धक्का देकर उसकी हत्या कर दी और इसे एक हादसा दिखाने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि शुरू में इसे दुर्घटना का मामला माना जा रहा था, लेकिन जांच के दौरान हत्या की साजिश का खुलासा हुआ। पुलिस ने बताया कि पुणे जिले के गहुंजे निवासी और परिवार के रियल एस्टेट कारोबार के निदेशक केतन अग्रवाल, किले पर तेज हवाओं के बीच फोटो खींचते समय लगभग 400 फीट गहरी खाई में गिर गए। लोनावला ग्रामीण पुलिस ने सिया के बयान के आधार पर दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था। सिया ने पुलिस को बताया था कि पहाड़ी पर स्थित किले में घूमने के दौरान केतन फिसलकर गिर गये थे। पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि मौत की परिस्थितियां संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की। उन्होंने कहा, हमारी टीम ने वित्तीय विवादों और व्यक्तिगत संबंधों समेत विभिन्न पहलुओं से जांच की। इसी दौरान पता चला कि सिया गोयल का पुणे के कोंढवा निवासी चेतन बाबूलाल चौधरी (22) के साथ प्रेम संबंध था। पुलिस के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया कि सिया गोयल केतन से शादी नहीं करना चाहती थी और उसे अपने तथा चेतन के रिश्ते में बाधा मानती थी। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर केतन को रास्ते से हटाने की साजिश रची। अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि साजिश के तहत सिया घूमने के बहाने केतन को लोहागढ़ किले पर ले गई। बाद में चेतन को भी वहां बुलाया गया और दोनों ने मिलकर कथित तौर पर केतन को खाई में धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

संदेह के आधार पर स्थानीय अपराध शाखा ने सबसे पहले चेतन चौधरी को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान उसने कथित रूप से स्वीकार किया कि केतन उनके रिश्ते में बाधा बन रहा था, इसलिए उसने और सिया ने मिलकर उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची। पुलिस ने बताया कि चेतन से मिली जानकारी के आधार पर सिया गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक गिल ने कहा, केतन के पिता विशाल अग्रवाल की शिकायत के आधार पर लोनावला ग्रामीण पुलिस ने मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत हत्या और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने कहा, ''जब पुलिस मेरे बेटे का शव लेकर आई, तो सिया ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उसके चेहरे पर कोई गम नहीं था।'' पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना से जुड़ी सभी कड़ियों को जोड़ने, फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने और इस साजिश में किसी अन्य व्यक्ति की संभावित भूमिका की जांच के लिए पड़ताल जारी है। लोहागढ़ किला मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास से जुड़ा एक महत्वपूर्ण दुर्ग है।

एमएलसी चुनाव में क्रॉस वोटिंग

कर्नाटक के शीर्ष भाजपा नेताओं ने पार्टी प्रमुख नवीन को जानकारी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा सहित राज्य के शीर्ष पार्टी नेताओं ने मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की और उन्हें हाल ही में हुए राज्य विधान परिषद चुनावों में कथित क्रॉस-वोटिंग के बारे में जानकारी दी। नवीन ने चुनावों में कथित क्रॉस-वोटिंग पर कड़ी नाराजगी जताते हुए पिछले हफ्ते विजयेंद्र और भाजपा की कर्नाटक इकाई के अन्य वरिष्ठ नेताओं को तलब किया था। सूत्रों ने बताया कि यहां भाजपा मुख्यालय में नवीन के साथ हुई बैठक के दौरान कर्नाटक के भाजपा नेताओं ने चुनाव में क्रॉस-वोटिंग के बारे में विस्तार से शुरुआती जानकारी साझा की।

उन्होंने बताया कि कर्नाटक भाजपा के नेताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सूचित किया कि मामले की जांच करने और क्रॉस-वोटिंग करने वाले विधायकों की पहचान करने के लिए एक तथ्यान्वेषी समिति बनाई गई है।

कर्नाटक के एक भाजपा नेता ने बताया, ''केंद्रीय नेतृत्व ने हमसे और जानकारी मांगी है और यह साफ कर दिया है कि चुनावों में क्रॉस-वोटिंग करने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।'' सूत्रों के मुताबिक, नवीन ने कर्नाटक के भाजपा नेताओं से राज्य में पार्टी को और मजबूत करने के लिए कदम उठाने को भी कहा। बैठक में विजयेन्द्र के अलावा, कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक आर. अशोक, पार्टी के राज्य महासचिव एन. रवि कुमार और अन्य नेता भी मौजूद थे।

कर्नाटक में डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद हुए पहले चुनावी मुकाबले में,सत्तारूढ़ कांग्रेस ने विधान परिषद की सात सीट के लिए हुए चुनाव में पांच पर जीत दर्ज की जबकि विपक्षी भाजपा के खाते में दो सीट आई थी। सूत्रों ने बताया कि चुनाव में पड़े मतों से सामने आया कि भाजपा और उसकी सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) के विधायकों ने कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की। सत्तारूढ़ कांग्रेस को 151 वोट मिले, जो उम्मीद के मुताबिक 140 वोटों से 11 ज्यादा थे।

हालांकि, भाजपा ने जिन दो सीट पर चुनाव लड़ा, उन पर जीत हासिल की, लेकिन पार्टी को जितने वोट मिलने चाहिए थे, उससे चार वोट कम मिले।

तेजस्वी सूर्या ने बेंगलूरु के बड़े डेवलपमेंट के लिए प्लान बनाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि उन्होंने बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री कृष्ण बैरेगौड़ा को बेंगलूरु शहर के बड़े डेवलपमेंट के लिए प्लान बनाने और उसे लागू करने के लिए एक लेटर लिखा है। मंगलवार को मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने कृष्ण बैरेगौड़ा से मुलाकात की और शहर के डेवलपमेंट और लोगों को फायदा पहुंचाने वाले 15 पॉइंट्स पर डिटेल में बातचीत की। शहर के लिविंग स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने के उपायों के लिए सेंटर गवर्नमेंट लेवल पर सौ परसेंट सपोर्ट दिया जाएगा। मैंने मिनिस्टर को स्टैटिस्टिक्स के साथ डेवलपमेंट की डिटेल्स दी हैं। तीस से ज़्यादा स्टेट गवर्नमेंट प्रोजेक्ट्स पेंडिंग हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने उनसे कहा है कि नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने से पहले पुराने प्रोजेक्ट्स जल्द पूरे किए जाएं।

बेंगलूरु में बीएमआरएसआईएल, बीडीए, बीएमएलटीए केआरआईडीएल समेत 12 से ज़्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसियां हैं। इनके बीच कोई इंटर-कोऑर्डिनेशन एजेंसी नहीं है। इसलिए, बीएमएलटीए को एक चेयरमैन बनाकर नोडल एजेंसी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने मेट्रो के विस्तार, गड्ढे बंद करने और पैदल चलने वालों के लिए रास्ते बनाने पर चर्चा की है। साढ़े चार साल से नई मेट्रो का काम शुरू नहीं हुआ है। केंद्र सरकार से मंज़ूर मेट्रो के तीसरे फ़ेज़, ऑरेंज लाइन का टेंडर दो साल बाद भी जारी नहीं हुआ है। इसकी लागत बढ़ रही है। मेट्रो प्रोजेक्ट में, लागत कम करने के लिए अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशनों की लंबाई कम कर दी गई है। इससे आठ की जगह सिर्फ़ छह कोच वाली मेट्रो ही पार्क हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि लागत कम करने के लिए स्टेशन प्लेटफ़ॉर्म की लंबाई कम करने से कोई फ़ायदा नहीं होगा। बेंगलूरु में अलग-अलग जगहों से काम पर आने वाले लोगों को सुबह मेट्रो का इंतज़ार करना पड़ता है। इसलिए, मेट्रो रोज़ सुबह पाँच बजे शुरू होनी चाहिए। दूसरे शहरों में मेट्रो सुबह जल्दी शुरू हो जाती है। उन्होंने बताया कि उन्होंने रिक्वेस्ट की है कि बेंगलूरु में भी इसे शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र को यह प्रस्ताव नहीं मिला है। केंद्र सरकार ने बजट में घोषित अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) के तहत 1 लाख करोड़ दिए हैं। राज्य सरकार को इस स्कीम के तहत फंडिंग का प्रपोज़ल नहीं मिला है। अगर सही डीपीआर जमा हो जाती है तो केंद्र पैसे देगा। शहर में किराए के घरों में रहने वालों की मदद के लिए दो साल पहले प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक स्कीम बनाई गई थी। इस सरकार के सत्ता में आने के बाद, इस स्कीम के तहत एक भी किराए का घर नहीं बना है। एक भी एप्लीकेशन नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मंत्री से इस पर ध्यान देने की रिक्वेस्ट की है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पीने के पानी की समस्या, झीलों को बचाने और ग्राउंडवाटर को बचाने पर चर्चा की थी। जीबीए के पांचों कॉर्पोरेशन में पर्याप्त स्टाफ और इंजीनियर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि स्कीम की घोषणा करने से पहले स्टाफ की नियुक्ति की जानी चाहिए।

उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस सरकार ने कहा कि सत्ता में आने के बाद उसने गड्ढे बंद करने के लिए हजारों करोड़ खर्च किए हैं। लेकिन, सड़क पर सिर्फ गड्ढे ही बचे हैं। एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक, गड्ढों में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है। तो पैसा कहां गया? डी.के. शिवकुमार, जो अभी मुख्यमंत्री हैं, बेंगलूरु अर्बन डेवलपमेंट मिनिस्टर थे। तब उन्होंने अलग-अलग समय पर बयान दिए थे।

दिसंबर 2023 में उन्होंने कहा था कि इइचझ में गड्ढे बंद करने पर 7 करोड़ रुपये खर्च किए गए। लेकिन दिसंबर 2024 में उन्होंने विधानसभा को बताया कि गड्ढों की संख्या 63 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अगस्त 2025 में बीबीएमपी ने गड्ढे बंद करने पर 12 करोड़ रुपये खर्च किए। लेकिन उन्होंने कहा कि गड्ढों की संख्या 63 परसेंट बढ़ गई है। सितंबर 2025 में उन्होंने गड्ढे बंद करने के लिए 750 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया। उन्होंने सवाल किया फिर से उन्होंने गड्ढे बंद करने के लिए 1100 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया। तो कौन सा पैसा? यह कहां जा रहा है?

उडुप्पी में फर्जी दस्तावेजों के जरिए शिशु बेचने के आरोप में चिकित्सक सहित तीन गिरफ्तार

उडुप्पी। उडुपी जिले में एक चिकित्सक सहित चार लोगों को फर्जी दस्तावेज तैयार कर कानूनी तरीके से गोद लेने की प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए एक महीने की बच्ची को निःसंतान दंपति को कथित रूप से अवैध तरीके से गोद दिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान कामत नर्सिंग होम के मालिक डॉ. के. सुरेंद्र कामत, कथित रूप से बच्ची को गोल लेने वाले संतेकट्टे निवासी एस. प्रकाश, तथा संपत और सुप्रीति के रूप में हुई है, जिन पर बच्ची को गलत तरीके से गोद दिलाने में मदद करने का आरोप है।

उडुप्पी के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों को सूचना मिली कि एक दंपति वैध तरीके से गोद लेने के दस्तावेजों के बिना एक शिशु का पालन-पोषण कर रहा है। पुलिस ने बताया कि इसके बाद उनके घर पर निरीक्षण किया गया, जिसमें संदेह उत्पन्न हुआ और विस्तृत जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला कि प्रकाश और उनकी पत्नी की शादी को 11 साल हो चुके थे और उनकी कोई संतान नहीं थी और वे कामत नर्सिंग होम में इलाज करवा रहे थे। इसी दौरान उन्हें कथित तौर पर बच्ची की उपलब्धता की जानकारी मिली और उन्होंने चिकित्सक से संपर्क कर बच्चा गोद लेने की बात की।

ट्रेनों के समय में बदलाव

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया जाएगा। ट्रेन नंबर 20693 जोधपुर-केएसआर बेंगलूरु द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 25 जुलाईसे शुरू होने वाली यात्रा से, घाटप्रभा में 08:43/08:45 बजे के बजाय 08:28/08:30 बजे और बेलगावी में 09:50/09:55 बजे के बजाय 09:35/09:40 बजे पहुंचेगी और रवाना होगी।

ट्रेन नंबर 20686 केएसआर बेंगलूरु-गांधीधाम साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 25 जुलाई से शुरू होने वाली यात्रा से, बेलगावी में 10:05/10:10 बजे के बजाय 09:35/09:40 बजे पहुंचेगी और रवाना होगी।

ट्रेन नंबर 16209 अजमेर-मैसूरु द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस, 26 जुलाई से शुरू होने वाली यात्रा से, बेलगावी में 09:45/09:50 बजे के बजाय 09:35/09:40 बजे पहुंचेगी और रवाना होगी।

मुलाकात

बेंगलूरु में पोलैंड गणराज्य के मानद राजदूत रघु राजप्पा और टीजेडमो की मैनेजिंग डायरेक्टर अलीना पोस्लास्नी ने मंगलवार को विधान सौधा में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की और चर्चा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार एलके अतीक भी मौजूद थे।

मार्शल ऑफ द एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट-2026 का उद्घाटन कल

चेन्नई। वायु सेना के मार्शल अर्जन सिंह डीएफसी की 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में, वायु सेना खेल नियंत्रण बोर्ड द्वारा वायु सेना स्टेशन जालहल्ली में 23 जून से 3 जुलाई तक मार्शल ऑफ द एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट-2026 का सातवां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें भाग लेंगी। उद्घाटन समारोह 23 जून को एयर फोर्स स्टेशन जलाहल्ली के हॉकी मैदान में आयोजित किया गया था। समारोह में मुख्य अतिथि एयर मार्शल एस. शिवकुमार, वीएसएम, एयर ऑफिसर-इन-चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन (एओए) थे, जिन्होंने टूर्नामेंट को खुला घोषित किया।

उद्घाटन मैच भारतीय वायु सेना और दक्षिणी कमान बेंगलूरु की टीमों के बीच खेला गया। भारतीय वायु सेना ने यह मैच 2-0 से जीत लिया। अग्निवीर विनायक संतोष हांडे को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि ने मैन ऑफ द मैच को 25,000 रुपये का चेक प्रदान किया। टूर्नामेंट के उद्घाटन के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि ने कहा, हमें अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के मार्शल के साथ वापस आकर बेहद खुशी हो रही है, जो देश का सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है।

यह टूर्नामेंट देश की सर्वश्रेष्ठ हॉकी टीमों को एक मंच प्रदान करेगा। भारतीय वायु सेना टूर्नामेंट के सुचारू संचालन में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन वायुसेना के दिग्गज को श्रद्धांजलि देने का एक उपयुक्त तरीका है और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सराहनीय तरीका है।

ईडी ने राजेश एक्सपोर्ट्स के ठिकानों की तलाशी ली

नईदिल्ली/बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को राजेश एक्सपोर्ट्स के ठिकानों की तलाशी ली। कपंनी कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि बेंगलूरु में मुख्यालय वाली इस कंपनी के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत कार्रवाई की गई है। सूत्रों ने बताया कि बेंगलूरु और मुंबई में कंपनी से जुड़े कई स्थानों पर तलाशी ली जा रही है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक अंतरिम आदेश के मुताबिक, राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड पर आरोप है कि उसने पांच वर्षों में अपने समेकित राजस्व को 15 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया।

मुलाकात

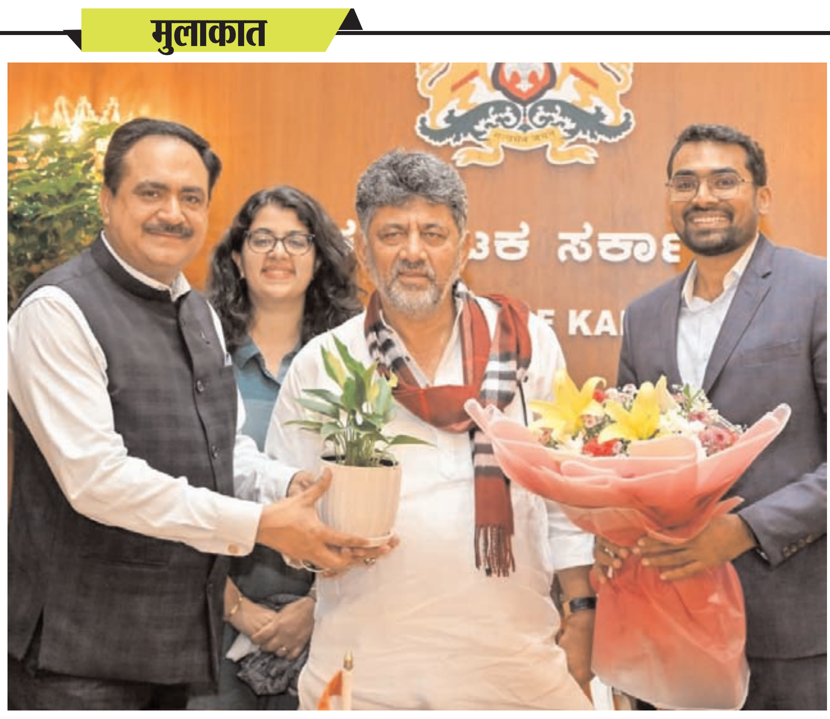

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के चेयरमैन राकेश स्वामी और गोदरेज प्रॉपर्टीज के सीईओ अश्विनी प्रसाद कलापाला ने मंगलवार को विधान सौधा में मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से शिष्टाचार भेंट की, उनका स्वागत किया और बातचीत की।

एक परिवार के तीन लोगों की चाकू मारकर हत्या, बड़ी बेटी और उसका प्रेमी संदेह के घेरे में

बेंगलूरु। बेंगलूरु के एक अपार्टमेंट से एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव बरामद किए गए हैं। पुलिस को संदेह है कि परिवार की बड़ी बेटी और उसका प्रेमी इस कथित तिहरे हत्याकांड में शामिल हो सकते हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान सोमसुंदर (52), उनकी पत्नी मुथुलक्ष्मी (48) और छोटी बेटी सुप्रिया (19) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार रात केआरपुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत सीगेनहल्ली स्थित एक अपार्टमेंट में हुई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया कि दंपति की बड़ी बेटी पर अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या करने का संदेह है। वह पिछले दो महीने से कथित रूप से अपने प्रेमी के साथ रह रही थी। अधिकारी ने कहा कि जांचकर्ताओं को आशंका है कि हो सकता है कि परिवार के सदस्य बड़ी बेटी के प्रेम संबंध के पक्ष में नहीं रहे हों, जिससे परिवार में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

उन्होंने बताया कि सोमवार शाम मृतक दंपति और उनकी छोटी बेटी उस फ्लैट में गए थे जहां बड़ी बेटी और उसका प्रेमी रह रहे थे। जांचकर्ताओं को संदेह है कि वहां किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद तीनों पर कई बार चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की हैं। दोनों संदिग्ध फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। अधिकारी ने कहा, ''आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस की टीमें काम कर रही हैं। गिरफ्तारी के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।'' उन्होंने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

अदालत ने दिव्यांग महिला के 'टोटल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टॉमी' की अनुमति दी

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बौद्धिक और विकास संबंधी अक्षमताओं से जूझ रही 23 वर्षीय एक महिला की टोटल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टॉमी' करने की अनुमति दे दी है और कहा कि यह प्रक्रिया महिला के कल्याण, स्वास्थ्य, गरिमा और उसके सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखकर की जा रही है। 'टोटल एब्डॉमिनल हिस्टेरेक्टॉमी' एक शल्य चिकित्सा है, जिसमें पेट पर चीरा लगाकर गर्भाशय और गर्भाशय ग्रीवा को पूरी तरह निकाल दिया जाता है।

न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज ने 17 जून को महिला के माता-पिता और प्राथमिक देखभाल करने वालों द्वारा दायर एक याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। अपने आदेश में न्यायालय ने कहा, अभिभावक संरक्षक क्षेत्राधिकार का प्रयोग करते समय इस न्यायालय के लिए सर्वोपरि विचार संबंधित व्यक्ति का सर्वोत्तम हित होता है।

शराब को लेकर झगड़े में बेटी और नाती ने बुजुर्ग महिला को पीट-पीटकर मार डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में शराब पीने से रोकने पर 70 वर्षीय एक महिला की उसकी बेटी और उसके नाती ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मृतका की पहचान जयम्मा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, बेंगलूरु के केंगेरी स्थित एक अपार्टमेंट में हुई इस घटना के सिलसिले में भाग्यलक्ष्मी (49) और उसके बेटे कुशल (26) को हिरासत में लिया गया है। पुलिस का आरोप है कि 22 जून की सुबह जयम्मा ने मां-बेटे को शराब पीने से रोकने का प्रयास किया था। इसी बात से नाराज होकर दोनों ने कथित तौर पर क्रिकेट बैट और डंडे से उनकी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उनकी मौत हो गई।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब पुलिस मौके पर पहुंची तो जयम्मा का शव फ्लैट के हॉल में स्नानघर के पास पड़ा मिला। उसी अपार्टमेंट में रहने वाले धनंजय की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मां-बेटे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) और धारा 3(5) (साझा इरादा) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता धनंजय ने आरोप लगाया है कि अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर रहने वाली भाग्यलक्ष्मी और उसका बेटा पिछले तीन-चार महीनों से लगातार शराब पीकर हंगामा कर रहे थे। इससे अन्य निवासियों को काफी परेशानी हो रही थी। स्थिति को देखते हुए पड़ोसियों ने कुशल के पिता कृष्णा नाइक को बुलाया और सभी ने मिलकर उसे नशामुक्ति केंद्र भेजने की व्यवस्था की।

शिकायत में कहा गया है कि कुछ सप्ताह पहले कुशल नशामुक्ति केंद्र से लौटकर घर आया था। इसके बाद मां-बेटे ने कथित तौर पर फिर से शराब पीना और हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस ने बताया कि हाल में जयम्मा उनके साथ रहने आई थीं और पिछले तीन-चार दिनों से उनके फ्लैट से लगातार झगड़े का शेर सुनाई दे रहा था। शिकायतकर्ता के अनुसार, 21 जून की रात भी घर से झगड़े और शोर-शराबे की तेज आवाजें आ रही थीं तथा जयम्मा की चीखें भी सुनाई दी थीं। पुलिस का कहना है कि अगले दिन जब जयम्मा ने शराब के सेवन को लेकर विरोध किया तो आरोपियों ने कथित तौर पर उनकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज एवं वैगन कारखाना, उ.प.रे, बीकानेर द्वारा खुली ई-निविदा सूचना संख्या **07R-MECH-BKNW-BOXNHL-26** निम्नलिखित कार्य के लिए ई - निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** कै. एवं वै. कारखाना, उ. प. रेलवे, बीकानेर में स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार बॉक्सएनएचएल (BOXNHL) वैगनों का रिहेबिलिटेसन (Rehabilitation) कार्य । **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 3,74,61,294.00 (जीएसटी सहित)। **बयाना राशि:** रु. 7,49,200.00। **ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं खुलने का समय व दिनांक:** 14.07.2026 को 14:30 बजे तक । **ई-निविदा उसी दिन 15:00 बजे खोली जाएगी। वेबसाइट विवरण जहाँ से ई-निविदा की पूर्ण जानकारी देखी जा सकती हैं:** www.ireps.gov.in 905-MG/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

ಬ್ಯಾಂಕ್ ಆಫ್ ಬರೋಡ
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank
क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु दक्षिण
चतुर्थ तल, 41/2, एमजी रोड, ट्रिनिटी सर्कल, बेंगलूरु-560001
लीज/किराए पर परिसर की आवश्यकता
बैंक ऑफ़ बड़ौदा उन भू-स्वामियों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है जिनके पास ज़मीन और बनी-बनाई संपत्ति, जो ग्राउंड / अपर ग्राउंड फ़्लोर पर हो, जिसका कार्पेट एरिया 2000 से 2230 वर्ग फ़ीट हो तथा साफ़ और बिक्री-योग्य मालिकाना हक हो। यह संपत्ति **बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र की वर्थुर शाखा** के लिए चाहिए। इसमें बिजली की पर्याप्त आपूर्ति समेत सभी सुविधाएं होनी चाहिएं। इच्छुक बोलीकर्ताओं को अपनी बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में, जिन पर तकनीकी बोली और वित्तीय बोली लिखा हो, नीचे दिए गए पते पर **06.07.2026 को 15:00 बजे** तक या उससे पहले जमा करानी होंगी : क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, चतुर्थ तल, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण, विजया टावर्स, ट्रिनिटी सर्कल, एमजी रोड, बेंगलूरु-560001. अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट http://www.bankofbaroda.bank.in के टेंडर सेक्शन में लॉग-इन करें।
दिनांक: 10.06.2026
स्थान: बेंगलूरु
ह/- क्षेत्रीय प्रमुख,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बेंगलूरु दक्षिण

ಬ್ಯಾಂಕ್ ಆಫ್ ಬರೋಡ
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank
क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु दक्षिण
चतुर्थ तल, 41/2, एमजी रोड, ट्रिनिटी सर्कल, बेंगलूरु-560001
लीज/किराए पर परिसर की आवश्यकता
बैंक ऑफ़ बड़ौदा उन भू-स्वामियों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है जिनके पास ज़मीन और बनी-बनाई संपत्ति, कार्पेट एरिया 2000 से 2270 वर्ग फ़ीट हो, जिसका साफ़ और बिक्री-योग्य मालिकाना हक हो। यह संपत्ति केवल ग्राउंड / अपर ग्राउंड फ़्लोर पर होनी चाहिए और इसमें बिजली की पर्याप्त आपूर्ति समेत सभी सुविधाएं होनी चाहिएं। यह संपत्ति **बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र की बनशंकरी शाखा (अल्फा: VJBANA)** के लिए नई जगह लेने के उद्देश्य से चाहिए। इच्छुक बोलीकर्ताओं को अपनी बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में, जिन पर तकनीकी बोली और वित्तीय बोली लिखा हो, नीचे दिए गए पते पर **17.07.2026 को 15:00 बजे** तक या उससे पहले जमा करानी होंगी: क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, चतुर्थ तल, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण, विजया टावर्स, ट्रिनिटी सर्कल, एमजी रोड, बेंगलूरु-560001. अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट http://www.bankofbaroda.bank.in के टेंडर सेक्शन में लॉग-इन करें।
दिनांक: 23.06.2026
स्थान: बेंगलूरु
ह/- क्षेत्रीय प्रमुख,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बेंगलूरु दक्षिण

ಬ್ಯಾಂಕ್ ಆಫ್ ಬರೋಡ
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank
क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु दक्षिण
चतुर्थ तल, 41/2, एमजी रोड, ट्रिनिटी सर्कल, बेंगलूरु-560001
लीज/किराए पर परिसर की आवश्यकता
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, **बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र के अनेकल तालुक में स्थित मुट्टानल्लूर शाखा** के लिए नई जगह लेने के वास्ते ऐसे भू-स्वामियों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिनके पास ज़मीन और बनी-बनाई संपत्ति, जिसका कार्पेट एरिया 1000 से 1330 वर्ग फ़ीट हो, का साफ़ और बिक्री-योग्य मालिकाना हक हो और जहां बिजली की पर्याप्त आपूर्ति समेत सभी सुविधाएं उपलब्ध हों। इच्छुक बोलीकर्ताओं को अपनी बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में, जिन पर तकनीकी बोली और वित्तीय बोली लिखा हो, नीचे दिए गए पते पर **06.07.2026 को 15:00 बजे तक** या उससे पहले जमा करानी होंगी : क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, चतुर्थ तल, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण, विजया टावर्स, ट्रिनिटी सर्कल, एमजी रोड, बेंगलूरु-560001. अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट http://www.bankofbaroda.bank.in के टेंडर सेक्शन में लॉग-इन करें।
दिनांक: 10.06.2026
स्थान: बेंगलूरु
ह/- क्षेत्रीय प्रमुख,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बेंगलूरु दक्षिण

ಬ್ಯಾಂಕ್ ಆಫ್ ಬರೋಡ
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank
क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु दक्षिण
चतुर्थ तल, 41/2, एमजी रोड, ट्रिनिटी सर्कल, बेंगलूरु-560001
लीज/किराए पर परिसर की आवश्यकता
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, **बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र की कोरमंगला शाखा** के लिए नई जगह लेने के वास्ते ऐसे भू-स्वामियों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिनके पास ज़मीन और बनी-बनाई संपत्ति का साफ़ और बिक्री-योग्य मालिकाना हक हो। इस संपत्ति का कार्पेट एरिया 2000 से 2270 वर्ग फ़ीट के बीच होना चाहिए और इसमें बिजली की पर्याप्त आपूर्ति समेत सभी ज़रूरी सुविधाएं होनी चाहिएं। इच्छुक बोलीकर्ताओं को अपनी बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में, जिन पर तकनीकी बोली और वित्तीय बोली लिखा हो, नीचे दिए गए पते पर **06.07.2026 को 15:00 बजे तक** या उससे पहले जमा करानी होंगी: क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, चतुर्थ तल, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण, विजया टावर्स, ट्रिनिटी सर्कल, एमजी रोड, बेंगलूरु-560001. अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट http://www.bankofbaroda.bank.in के टेंडर सेक्शन में लॉग-इन करें।
दिनांक: 10.06.2026
स्थान: बेंगलूरु
ह/- क्षेत्रीय प्रमुख,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बेंगलूरु दक्षिण

जयपुर के 14 कोचिंग-पुस्तकालय सील, 24 से ज्यादा संस्थानों को नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित एक कोचिंग संस्थान में लगी भीषण आग में 15 लोगों की मौत के बाद राजस्थान में जयपुर जिला प्रशासन ने मंगलवार को अग्नि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के तहत 14 कोचिंग संस्थानों एवं पुस्तकालयों को सील कर दिया गया जबकि 24 से अधिक संस्थानों को नोटिस जारी किए गए।नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाकर अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास व्यवस्था तथा अनिवार्य अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र (फायर एनओसी) सहित सुरक्षा मानकों की जांच की। मुख्य अग्निशमन अधिकारी देवेंद्र मीणा ने बताया कि चार जून से अब तक हेरिटेज क्षेत्र में लगभग 600 संस्थानों को अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें करीब 150 कोचिंग संस्थान एवं पुस्तकालय शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कई संस्थान पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपायों के बिना संचालित होते पाए गए, जिसके लिए उन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 24 से अधिक कोचिंग संस्थानों को अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन ने बताया कि शहर में बड़ी संख्या में छात्र कोचिंग संस्थानों में अध्ययन करते हैं और ऐसे में किसी भी आपात स्थिति में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित मानकों का पालन अत्यंत आवश्यक है।

अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान यह जांचा कि अग्निशमन प्रणाली कार्यरत है या नहीं, अग्निशमन उपकरणों की वैधता समाप्त तो नहीं हो चुकी है और आपातकालीन निकास मार्ग सुगम और उपयोग योग्य हैं या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण और प्रवर्तन संबंधी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक आयोजित

जनहित, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शहरी विकास से जुड़े प्रस्तावों की समीक्षा कर दी सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास, जन-सुविधाओं के विस्तार और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर नीतिगत निर्णय ले रही है। इसी क्रम में मंगलवार को शासन सचिवालय में मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों में सार्वजनिक हित, उच्च शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक कल्याण एवं औद्योगिक केंद्रों की स्थापना के लिए रियायती दरों पर भूमि आवंटन के विभिन्न प्रकरणों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

उपमुख्यमंत्री डॉ। प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जनहित, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण एवं शहरी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा की गई। समिति ने पात्र प्रकरणों में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शैक्षणिक एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े संस्थानों के भूमि आवंटन प्रकरणों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, विशेषीकृत चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता तथा आमजन को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की गई। समिति ने राज्य सरकार से लाभ प्राप्त संस्थाओं द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ आमजन तक पहुंचाने तथा स्वास्थ्य संस्थानों में राज्य सरकार की विभिन्न चिकित्सा सहायता योजनाओं जैसे मा और आरजीएचएस के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

समिति ने औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के भवन निर्माण में पेनल्टी पर छूट जैसे प्रकरणों पर एवं शेष प्रकरणों के समाधान के लिए प्रक्रियाओं में आवश्यक सरलीकरण, किश्तों में भुगतान की सुविधा तथा नियमानुसार ग्रेस पीरियड उपलब्ध कराने के सुझावों पर भी सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया। शहरी विकास से जुड़े विषयों पर समिति ने शहरी सेवा अभियान के अंतर्गत पट्टों सहित विभिन्न लाभों के वितरण में तेजी लाने, लंबित प्रकरणों के अधिकाधिक निस्तारण तथा नागरिकों को राहत प्रदान करने के लिए उपलब्ध प्रावधानों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समिति ने नगरीय कराधान एवं शुल्क निर्धारण से संबंधित विषयों की समीक्षा करते हुए पारदर्शी एवं व्यावहारिक व्यवस्था विकसित करने के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए तथा पात्रता के निर्धारित प्रावधानों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। बैठक में विभिन्न संस्थागत, शैक्षणिक, सामाजिक एवं सार्वजनिक उपयोग के भूमि आवंटन प्रकरणों में आरक्षित दरों से छूट के मामलों पर भी विचार किया गया। समिति ने जनहित एवं लोककल्याण की भावना को ध्यान में रखते हुए पात्र प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित करने पर सहमति व्यक्त की।

उपमुख्यमंत्री डॉ। प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक विकास तथा शहरी आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्थागत एवं जनोपयोगी परियोजनाओं के माध्यम से आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक निर्णय समयबद्ध रूप से लिए जा रहे हैं।

राजस्थान को जल्द मिलेगा अपने हिस्से का पानी, जल प्रबंधन को मिलेगी और मजबूती : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी।आर। पाटिल एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ यमुना जल परियोजना से संबंधित बैठक में भाग लिया।बैठक में परियोजना के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को अंतिम रूप दिया गया। साथ ही, किशाऊ बांध परियोजना से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी।आर। पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 'जल है तो कल है' की भावना के साथ राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यमुना जल परियोजना को प्रभावी एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत पानी को पारंपरिक नहर प्रणाली की बजाय पाइपलाइन के माध्यम से पहुंचाने का प्रस्ताव है, जिससे जल संरक्षण सुनिश्चित होने के साथ ही वितरण व्यवस्था अधिक व्यापक बनेगी।

उन्होंने कहा कि किशाऊ बांध परियोजना से जुड़े छह राज्यों के मुद्दों का भी समाधान हो गया है और शीघ्र ही उससे संबंधित एमओए भी किया जाएगा। इससे राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा सहित अन्य राज्यों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से भविष्य में जल संबंधी समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यमुना जल परियोजना राजस्थान विशेषकर शेखावाटी क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह परियोजना क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास तथा लाखों लोगों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केन्द्र एवं हरियाणा सरकार के सहयोग से परियोजना को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दशकों से लंबित परियोजनाओं को गति मिल रही है तथा राज्यों के बीच जल संबंधी मुद्दों का सकारात्मक समाधान निकल रहा है। राजस्थान को भी यमुना जल उपलब्ध कराने की मांग लंबे समय से की जा रही थी और अब इस दिशा में ठोस प्रगति हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना जल परियोजना के क्रियान्वयन से जल्द ही राजस्थान को अपने हिस्से का पानी प्राप्त होगा, जिससे किसानों, उद्योगों और आमजन को व्यापक लाभ मिलेगा। साथ ही, प्रदेश में जल प्रबंधन को मजबूती मिलेगी और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने में भी सहायता मिलेगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हर व्यक्ति तक पानी की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकारें प्रतिबद्धता से काम कर रही हैं। इसी के तहत रेणुका, लखवार और किशाऊ परियोजनाओं के क्रियान्वयन से मिलने वाले पानी से राजस्थान, दिल्ली के साथ हरियाणा के लोगों को भी फायदा मिलेगा। बैठक में वर्षा के पानी को भी सहेजकर राजस्थान पहुंचाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री काफिले से पहले पुलिस कार्रवाई में महिला झुलसी, विपक्ष ने साधा निशाना

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में मुख्यमंत्री का काफिला निकलने से पहले रामनगरिया क्षेत्र में सड़क किनारे लगे ठेलों को हटाने की पुलिस कार्रवाई के दौरान कथित रूप से एक ठेले को धक्का दिये जाने से गैस पर रखा उबलता हुआ पानी एक महिला पर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विपक्ष ने इस घटना को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना 19 जून की शाम जगतपुरा के महल रोड के पास उस समय हुई, जहां मुख्यमंत्री का काफिला गुजरने से कुछ मिनट पहले पुलिस अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, महिला द्वारा 22 जून को शिकायत दर्ज कराई गई।

पीड़िता के परिजनों के मुताबिक, मोमोज का ठेला लगाने वाली पीड़िता और पुलिसकर्मियों के बीच बहस हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि बहस के दौरान एक पुलिसकर्मी ने ठेले को धक्का दे दिया, जिससे गैस पर रखा उबलता हुआ पानी महिला पर जा गिरा। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की पहचान रेशु गुप्ता के रूप में हुई है और उसके कंधे, सीने, जांघ और शरीर के अन्य हिस्सों पर जलने के घाव हैं। रेशु की बड़ी बहन खुशबू ने दावा किया कि उन्होंने पुलिस से ठेला सुरक्षित तरीके से हटाने के लिए कुछ समय देने का अनुरोध किया था क्योंकि उसपर गर्म बर्तन रखे हुए थे लेकिन पुलिसकर्मियों ने जल्दबाजी में कार्रवाई की।

अजमेर के सांपला में बनेगा भव्य द्वारकाधीश मंदिर : जोराराम कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर जिले में स्थित धार्मिक नगरी सांपला में भगवान द्वारकाधीश गोपाल महाराज के भव्य मंदिर निर्माण के भूमि पूजन समारोह में बड़ी संख्या में संत-महात्मा, गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा और विधायक शत्रुघ्न गौतम सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महामंडलेश्वर ध्रुवदास महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में जोराराम कुमावत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में धर्म और संस्कृति के संरक्षण के लिए ऐसे धार्मिक आयोजन प्रेरणादायी हैं। सांपला में द्वारकाधीश मंदिर के प्रति लोगों की आस्था और समर्पण अद्भुत है। ग्रामीणों एवं विधायक शत्रुघ्न गौतम की मांग पर उन्होंने सांपला के राजकीय पशु चिकित्सालय को प्रथम श्रेणी में क्रमोन्नत करने का आश्वासन भी दिया।

झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भगवान द्वारकाधीश के प्रति क्षेत्रवासियों का विश्वास और प्रेम समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर सांपला को नगर पालिका बनाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शत्रुघ्न गौतम ने कहा कि सांपला का गोपाल मंदिर प्रदेशभर में आस्था का केंद्र है।

द्वारका से पधारे भगवान द्वारकाधीश गोपाल महाराज के इस मंदिर का निर्माण 608 वर्ष बाद होने जा रहा है, जो क्षेत्र के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय साबित होगा। उन्होंने मंदिर निर्माण में सहयोग देने वाले ग्रामीणों का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बंशीधर बाजिया ने कहा कि महामंडलेश्वर ध्रुवदास महाराज के मार्गदर्शन में बनने वाला यह मंदिर क्षेत्र की नई पहचान बनेगा। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान धर्मनारायण जोशी एवं प्रहलाद चंद त्रिपाठी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्य शिला, नवग्रह एवं 101 अन्य शिलाओं का पूजन कराया। इसके बाद संत-महात्माओं, अतिथियों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मुख्य शिला स्थापित की गई।

कार्यक्रम में हरिमोहन शर्मा, भूपेंद्र सिंह शक्तावत, शैलेंद्र सिंह शक्तावत, राजवीर भिंचर, राजवीर हावा, अभिषेक कुमावत, रामेश्वर गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। भूमि पूजन से पूर्व निकाली गई भव्य शोभायात्रा और महाकाल की आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे और चचेरे भाई की सड़क दुर्घटना में मौत

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में शादी से एक दिन पहले हुए सड़क हादसे में दूल्हे और उसके चचेरे भाई की मौत हो गई। दोनों शादी का सामान लेकर मोटरसाइकिल से गांव लौट रहे थे तभी सामने से आ रही पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-68 पर लुखू भाखरी गांव के पास सदर थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सेड़वा गौड़ा निवासी नरपतराम (21) पुत्र गोकलाराम और उसके चचेरे भाई सुखदेव (27) पुत्र वागाराम के रूप में हुई है। नरपतराम की मंगलवार (23 जून) को बारात जानी थी। हादसे के बाद चालक पिकअप छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, दोनों युवक परिवार के सदस्यों के साथ शादी का सामान खरीदने बाड़मेर शहर गए थे और मोटरसाइकिल से गांव लौट रहे थे। अन्य परिजन अलग वाहन में पीछे आ रहे थे। तभी सामने से आ रही पिकअप ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन और स्थानीय लोग घायलों को अस्पताल ले गए, जहां सुखदेव को मृत घोषित कर दिया गया। नरपतराम को आगे उपचार के लिए सांचौर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

सदर थाना क्षेत्र के सहायक उपनिरीक्षक यूसुफ खान ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप वाहन तथा मोटरसाइकिल को जब्त किया। बाद में राजमार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि फरार चालक की तलाश जारी है।

ईजीएस आयुक्त ने किया राजस्थान संपर्क पोर्टल का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रोजगार गारंटी योजना (ईजीएस) आयुक्त मती पुष्पा सत्यानी ने मंगलवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) के कॉल सेंटर का निरीक्षण कर विभाग से संबंधित परिवादों एवं मांगों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मती सत्यानी ने बताया कि राजस्थान संपर्क पोर्टल पर अब तक रोजगार गारंटी योजना विभाग से संबंधित कुल 71,964 परिवाद प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 69,164 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है। विभाग द्वारा औसतन 14 दिवस में परिवादों का निस्तारण किया जा रहा है तथा पोर्टल पर 72।88 प्रतिशत संतुष्टि दर दर्ज की गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों के परिवादियों से दूरभाष पर वार्ता कर उनकी समस्याओं एवं समाधान की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। भीलवाड़ा के पिंटू, बाँसवाड़ा के महिपाल तथा कोटा की सुनीता ने बताया कि जॉब कार्ड नहीं बनने के संबंध में राजस्थान संपर्क पोर्टल पर परिवाद दर्ज कराने के कुछ ही दिनों में उनकी समस्या का समाधान कर दिया गया।

इसी प्रकार सवाई माधोपुर के कांजी मीणा एवं झालावाड़ के धर्मराज ने भी अपनी परिवेदनाओं के समाधान के संबंध में आयुक्त को जानकारी देते हुए राज्य सरकार द्वारा समयबद्ध कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया।

मती सत्यानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल पर प्राप्त होने वाले परिवादों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके और जनसेवाओं के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए विभिन्न विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कराकर उनके शीघ्र समाधान का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

यज्ञ जीवन और मानवता का आलोक पथ : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को बालाजी धाम झडाया, पचलंगी, उदयपुरवाटी में राम महायज्ञ सेवा समिति द्वारा आयोजित महायज्ञ में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने महायज्ञ में आहुति दी। राज्यपाल ने कहा कि यज्ञ जीवन का आलोक पथ है। इससे तन, मन और जीवन ही सिद्ध नहीं होता मानवता का कल्याण होता है। उन्होंने रामायण एवं महाभारत को विश्व का अनोखा ग्रंथ बताते हुए भारतीय संस्कृति एवं दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम के जीवनी का उल्लेख करते हुए भारतीय दर्शन की महत्ता बताई एवं आमजन से उसे जीवन में उतारने का आग्रह किया ।

बागड़े ने कहा कि राम महायज्ञ सनातन वैदिक परंपरा का एक अत्यंत पवित्र एवं पुण्यदायी धार्मिक अनुष्ठान है, जो भगवान राम के आदर्शों, मर्यादा, धर्म एवं लोककल्याण की भावना को समर्पित होता है। इस महायज्ञ के माध्यम से भगवान राम के चरित्र, उनके जीवन मूल्यों तथा धर्म, सत्य, सेवा और त्याग के संदेश का प्रचार-प्रसार किया जाता है।

युवा पीढ़ी संकल्पित भावना से करें कार्य : कटारिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंजाब राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ के प्रशासक गुलाब चन्द कटारिया और राजस्थान विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में सुन्दर सिंह भण्डारी चेरिटेबल ट्रस्ट उदयपुर द्वारा आयोजित स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी एवं स्व. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर व्याख्यान माला एवं विशिष्ट जन सम्मान समारोह में शिरकत कर देशसेवा एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 वरिष्ठजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

पंजाब राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ के प्रशासक गुलाब चन्द कटारिया ने स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी एवं स्व. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन करते हुए उनके सादगीपूर्ण जीवन तथा बहुमुखी व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी का जीवन राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित रहा था। युवा पीढी को इनके जीवन से प्रेरणा लेकर देशभक्ति के प्रति संकल्पित भावना से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हमें सब कुछ देता है, हमें भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में देश सेवा के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की भूमि ऋषि-मुनियों की तपोस्थली रही है। इसको आगे बढाते हुए हमें भारतीय संस्कृति के मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए। विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी एवं स्व. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के देशसेवा के प्रति योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्श, नैतिक मूल्य एवं राष्ट्रभक्ति आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्र की अखण्डता के विचार पर बल देते थे। इस विचार को स्व. भण्डारी ने आगे बढ़ाने के लिए निरन्तर कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन महापुरूषों के विचारों को आगे बढाते हुए वसुधेव कुटुम्बकम की भावना के साथ विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में अनवरत रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा राष्ट्र प्राचीन व शास्वत है तथा भारतीय ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाकर विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम में अतिथियों ने देशसेवा एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 वरिष्ठजनों को सम्मानित किया, जिसमें अलवर से तिलकराज गांधी एवं पं. धर्मवीर शर्मा, झालावाड़ से ताराचंद गोयल, ओमप्रकाश गुप्ता एवं बालचंद आर्यवीर, बीकानेर से सुरेन्द्र सिंह यादव एवं निर्मल कुमार बारडिया, झुंझुनूं से बनवारी लाल चेजारा एवं रामस्वरूप शर्मा, सीकर से हरदयाल वर्मा एवं भागीरथ चौधरी, मध्यप्रदेश से लोकेन्द्र सिंह राठौड, गंगानगर से गौरीशंकर गुप्ता, पाली से लाल तथा भरतपुर से मती सुमन बंसल को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रयागराज में खान ग्लोबल स्टडीज समेत चार कोचिंग संस्थान सील

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक इमारत में लगी आग में 15 लोगों की मौत के बाद प्रयागराज में मानकों का पालन नहीं करने के लिए खान ग्लोबल स्टडीज समेत चार कोचिंग संस्थानों को मंगलवार को सील कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के एक अधिकारी ने बताया कि लखनऊ की घटना के मद्देनजर खान ग्लोबल स्टडीज समेत चार कोचिंग संस्थानों को मानक पूरे नहीं करने के कारण सील किया गया। उन्होंने बताया कि खान ग्लोबल स्टडीज को मानकों का पालन नहीं करने के कारण सील किया गया। इसके अलावा 'सुपर क्लाइमेक्स', 'टारगेट ऑन' और एक अन्य कोचिंग संस्थान के खिलाफ भी सीलिंग की कार्रवाई की गई। अधिकारी ने बताया कि मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए करीब 50 कोचिंग संस्थानों को कार्रवाई के लिए चिह्नित किया गया है। उन्होंने बताया कि इन संस्थानों के मानचित्र सामुदायिक सुविधाभोगी उपयोग के तहत स्वीकृत नहीं हैं और इनके खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

विकसित बिहार का मंत्र शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यटन : नीतीश मिश्रा

पटना/भाषा। नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा ने मंगलवार को कहा कि विकसित बिहार के लिए शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यटन तीन प्रमुख आधार हैं तथा राज्य इन क्षेत्रों के माध्यम से विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। मिश्रा ने पटना स्थित अधिवेशन भवन में नगर विकास एवं आवास विभाग और विश्व बैंक की ओर से आयोजित दो दिवसीय 'बिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम' का उद्घाटन करते हुए कहा कि बिहार ने पिछले 20 वर्षों में विकास की लंबी और सकारात्मक यात्रा तय की है। उन्होंने कहा, अब समय बदल गया है। हमें ऐसे शहर विकसित करने होंगे जो वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर हों और जहां बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। मंत्री ने बताया कि शहरी कायाकल्प के लिए विश्व बैंक और विभाग के बीच साझेदारी हुई है, जिसके तहत विश्व बैंक अगले 10 वर्षों तक नगर स्थानीय निकायों (यूएलबी) की वित्तीय आत्मनिर्भरता सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करेगा।

गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के हल्दिया बंदरगाह को आव्रजन चौकी घोषित किया

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल स्थित हल्दिया समुद्री बंदरगाह को आव्रजन चौकी घोषित किया है। सोमवार को जारी गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। इसके साथ ही यह देश का 41वां ऐसा समुद्री बंदरगाह बन गया है, जहां आव्रजन संबंधी औपचारिकताएं पूरी की जा सकेंगी। पिछले वर्ष सितंबर में केंद्र सरकार ने 34 समुद्री और नदी बंदरगाहों को आव्रजन बंदरगाह के रूप में अधिसूचित किया था। गृह मंत्रालय ने यह आदेश आव्रजन एवं विदेशी नागरिक अधिनियम 2025(अधिनियम संख्या 13, 2025) की धारा 4 की उपधारा (1) के तहत प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी किया है।

अवैध प्रवासी निर्वासित किए जा रहे, वास्तविक भारतीयों को डरने की जरूरत नहीं : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने हजारों अवैध प्रवासियों की पहचान की है और उन्हें वापस भेजना शुरू कर दिया है। अधिकारी ने वास्तविक भारतीय नागरिकों को भरोसा दिलाया कि उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, चाहे उनका धर्म कोई भी हो। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि 10,000 अवैध प्रवासियों की पहचान करके उन्हें सीमा के पार भेजा जा चुका है, जबकि 1,800 अन्य लोग 12 केंद्रों में वापस भेजे जाने का इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''भारत के वास्तविक नागरिकों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किस धर्म या समुदाय से हैं या उनकी राजनीतिक संबद्धता क्या है।''

ईस्ट कोस्ट रेलवे क्षेत्र में 'कवच' प्रणाली से यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी: माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कहा कि ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) क्षेत्र के 631 किलोमीटर लंबे रेल नेटवर्क पर 'कवच' प्रणाली की तैनाती से यात्रियों की सुरक्षा और मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी भारतीय रेल द्वारा ईस्ट कोस्ट रेलवे क्षेत्र में सुरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए 270 करोड़ रुपए की लागत से 'कवच' प्रणाली लागू करने को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद की। माझी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''स्वदेश में विकसित यह आधुनिक तकनीक संपर्क व्यवस्था को और मजबूत करेगी, आर्थिक विकास को गति देगी तथा ओडिशा के लोगों के लिए अधिक सुरक्षित और दक्ष रेल प्रणाली के निर्माण में योगदान देगी।'' उन्होंने इस पहल को राज्य के रेल बुनियादी ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी, दुर्घटनाओं का जोखिम कम होगा, ट्रेन परिचालन में सुधार होगा और रेल सेवाओं की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने रेल सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। 'कवच' भारत में विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है, जिसे सिग्नल की अवहेलना, अत्यधिक गति और ट्रेन टक्कर जैसी घटनाओं को रोककर रेल सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रणाली ट्रेनों की आवाजाही पर लगातार नजर रखती है और आवश्यकता पड़ने पर स्वतः ब्रेक लगाकर परिचालन सुरक्षा को बढ़ाती है। यह परियोजना ईस्ट कोस्ट रेलवे के छह महत्वपूर्ण रेलखंडों घुआपाल-बूढ़ापंक, हरिदासपुर-पारादीप, खुर्दा रोड-बलांगीर, नौपाड़ा-गुनुपुर, लांजीगढ़ रोड-जूनागढ़ तथा बोब्बिली-सालुरु को कवर करेगी।

अधिकारी ने कहा कि 'कवच' प्रणाली घने कोहरे सहित प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों में भी ट्रेनों के सुरक्षित और विश्वसनीय संचालन में मदद करेगी, जिससे रेल सेवाओं की समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार होगा।

शुभेंदु ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु को 'साजिश के तहत की गई हत्या' करार दिया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि वह भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 1953 में जम्मू कश्मीर की जेल में हुई मृत्यु को ''साजिश के तहत की गई हत्या'' मानते हैं।

अधिकारी ने दावा किया कि डॉ. मुखर्जी का प्रसिद्ध नारा ''एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे'' ही उनकी असमय मृत्यु का कारण बना। संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा दिया गया था और उसका अपना संविधान, ध्वज और प्रशासनिक स्वायत्तता थी। अगस्त 2019 में, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने उस विशेष दर्जा को खत्म कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर में बिना परमिट के प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किये जाने के बाद, श्रीनगर जेल में मुखर्जी की मृत्यु होना एक रहस्य बना हुआ है। मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम उनकी मौत को साजिश के तहत की गई हत्या मानते हैं।'' अधिकारी ने कहा कि यह दिन देश सेवा का संकल्प लेने का है, जिसके लिए मुखर्जी ने अपने प्राण न्यौछावर किये थे।

पहाड़ी इलाकों में अति. सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही : मणिपुर के गृह मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम ने मंगलवार को कहा कि राज्य के पहाड़ी जिलों में अशांति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा यूनिट भी शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य में हथियारों को जमा कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

कोंथौजम ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घाटी क्षेत्रों में सुरक्षा स्थिति अपेक्षाकृत शांत है, जिससे सुरक्षा बल पहाड़ी इलाकों में ऑपरेशन पर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''घाटी क्षेत्रों में छोटी-मोटी घटनाएं हो सकती हैं, हालांकि पहाड़ी इलाकों में अशांति बनी हुई है। हमें घाटी क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए ताकि सुरक्षा बल पहाड़ी क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से कार्रवाई कर सकें।'' मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र राज्य के लगभग 90 प्रतिशत भौगोलिक हिस्से में फैले हुए हैं और हाल के महीनों में यहां आदिवासी समुदायों के विरोधी सशस्त्र समूहों के बीच तनाव बढ़ा है। मंत्री ने कहा, ''अपराधियों को पकड़ने के लिए पहाड़ी इलाकों में और सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं, जिनमें सीआरपीएफ की कोबरा यूनिट भी शामिल है, क्योंकि घाटी वाले इलाकों में अब कम गड़बड़ी है। हथियार जमा करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।''

हथियार लूटने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा 'अरामबाई टेंगगोल' के तीन कथित सदस्यों की हालिया गिरफ्तारी पर कोंथौजम ने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से चर्चा की है।

हालांकि, मंत्री ने कहा कि खुफिया जानकारी से पता चला है कि घाटी के इलाकों में अभी भी अवैध हथियार मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''हम अपील करते हैं कि उन हथियारों को सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया जाए ताकि एनआईए, सीबीआई या राज्य पुलिस को और गिरफ्तारियां न करनी पड़ें।''

उप्र में 'एसआईटी का झुंझुना' थमाकर लीपा-पोती कर रही भाजपा सरकार : आप सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने मंगलवार को लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधा।

संजय सिंह ने दोनों मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ''एसआईटी का झुनझुना'' थमाकर मामले की लीपा-पोती कर रही है। सरकार ने अयोध्या राम मंदिर से जुड़े दान में कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए 13 जून को लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की थी। वहीं, लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक इमारत में आग लगने से 15 लोगों की मौत के मामले में अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) प्रवीण तिवारी की दो सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। संजय सिंह ने अलीगंज अग्निकांड में हुई मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ''जिस कंप्यूटर संस्थान की इमारत में आग लगी, उसे ध्वस्त करने का आदेश वर्ष 2016 में ही हो चुका था। पिछले 10 साल में से साढ़े नौ साल प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार रही है। इसके बावजूद यह अवैध और जर्जर इमारत कैसे खड़ी रही और किसके संरक्षण में संचालित हो रही थी, इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।'' आप नेता ने कहा कि दिल्ली से लेकर लखनऊ तक अग्निकांड के बाद केवल जांच की घोषणा की जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अग्निशमन व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। संजय सिंह ने बताया कि 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 25 जून को लखनऊ पहुंचेंगे और उसी रात अयोध्या जाएंगे। उन्होंने बताया कि केजरीवाल 26 जून को सुबह रामलला के दर्शन करेंगे, हनुमानगढ़ी में आरती में शामिल होंगे और संतों से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करेंगे।

संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट और भाजपा नेताओं पर करोड़ों लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''प्रभु श्री राम के मंदिर में यह कोई सामान्य चोरी का मामला नहीं है।''

सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ''15 दिन इंतजार करने और एसआईटी को साक्ष्य सौंपने'' संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने 20 जून को एसआईटी अध्यक्ष विजय विश्वास पंत, सदस्य किरण (आईजी, लखनऊ रेंज) को पत्र और आधिकारिक ई-मेल भेजकर जमीन से जुड़े कथित मामलों के साक्ष्य सौंपने के लिए समय मांगा था लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह एसआईटी न राम के लिए है, न काम के लिए, यह केवल आरोपियों को बचाने के लिए बनाई गई है।''

मणिपुर के खिलाड़ियों के बिना अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में कोई भी भारतीय दल पूरा नहीं : मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने मंगलवार को कहा कि बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में राज्य के खिलाड़ियों के बिना कोई भी भारतीय दल पूरा नहीं होता। सिंह ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के मौके पर यहां खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मणिपुर ऐसी जगह है, जहां 36 समुदाय मिल-जुलकर रहते हैं। बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में कोई भी भारतीय दल राज्य के खिलाड़ियों के बिना पूरा नहीं होता। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मणिपुर ने अपने खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियों से लगातार देश का नाम रोशन किया है। सिंह ने कहा कि भारतीय खेलों में मणिपुर के महत्वपूर्ण योगदान के मद्देनजर देश का पहला राष्ट्रीय खेल विवि इसी राज्य में स्थापित करने का फैसला किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय बनकर पूरा होने को है और उन्होंने हाल ही में परिसर का निरीक्षण किया था।

सिंह ने ताइक्वांडो खिलाड़ी के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा कि एशियाई खेल व ओलंपिक खेलों जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक जीतना और देश का प्रतिनिधित्व करना महत्वपूर्ण है लेकिन खेल से मिलने वाली सबसे बड़ी सीख अनुशासन है।

ओडिशा शिक्षक पात्रता परीक्षा पांच जुलाई तक के लिए स्थगित

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा शिक्षक पात्रता परीक्षा (ओटेट) को पांच जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह फैसला दो परीक्षाओं की तारीखों के एक ही होने के विरोध में कुछ उम्मीदवारों द्वारा प्रदर्शन किये जाने के बाद लिया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई) ने पूर्व में ओटेट की परीक्षा 28 जून को आयोजित करने की घोषणा की थी।

अधिकारियों ने बताया कि उसी दिन विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए ओडिशा अधीनस्थ कर्मचारी चयन आयोग (ओएसएसएससी)ने भी परीक्षा आयोजित की है। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों की चिंताओं पर संज्ञान लेते हुए बीएसई ने ओटेट की परीक्षा अब पांच जुलाई को कराने का फैसला किया है।

अधिकारियों ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के तहत ओटेट दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली में पूर्वाह्न नौ बजे से 11.30 बजे तक (प्रथम प्रश्नपत्र) और दूसरी पाली में अपराह्न दो बजे से शाम 4.30 बजे तक (द्वितीय प्रश्नपत्र) परीक्षा आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि ओएसएसएससी परीक्षा मूल रूप से 20 जून को होनी थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों से इसे 28 जून तक के लिए टाल दिया गया था।

बिहार: सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद को बताया 'खलनायक', राजद का हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा लालू प्रसाद को ''सबसे बड़ा खलनायक'' बताए जाने पर विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। चौधरी ने एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की थी। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती किए जाने के मुद्दे पर कटाक्ष करते हुए कहा था, ''सबसे बड़ा खलनायक, जिससे सभी डरते हैं, अब खुद डर में जी रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि बिहार में अब सुशासन की सरकार है।''

राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने पटना में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चौधरी को ''लालू जी की पाठशाला का उत्पाद'' बताते हुए कहा कि भाजपा में शामिल होने के बाद वह ''बिना जनादेश वाले मुख्यमंत्री'' बन गए हैं। झा ने कहा, ''हम सार्वजनिक भाषणों में भाषा की मर्यादा बनाए रखते हैं। हम खलनायकों को भी खलनायक नहीं कहते और यहां इस धरती के सबसे बड़े 'नायक' को 'खलनायक' कहा जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी लालू प्रसाद की उसी ''पाठशाला'' के छात्र हैं लेकिन उन्होंने वहां की शिक्षा को आत्मसात नहीं किया और अब पूरी तरह अलग विचारधारा वाले राजनीतिक दल का हिस्सा बन गए हैं। राजद की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने मुख्यमंत्री के बयान को ''अनावश्यक और अपरिपक्व'' बताया। उन्होंने कहा, ''लोग लालू प्रसाद को एक ऐसे संघर्षशील नेता के रूप में देखते हैं, जिन्होंने सशक्तिकरण आधारित कल्याणकारी राजनीति के बल पर लोगों के दिलों में जगह बनाई है।'' मंडल ने दावा किया कि इस प्रकार की टिप्पणी से पिछड़े वर्गों के लोग आहत हुए हैं। उन्होंने लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती किए जाने के फैसले की भी आलोचना की।

सरकार की 2028 से ग्रेट निकोबार परियोजना पर काम शुरू करने की योजना : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2028 तक महत्वाकांक्षी ग्रेट निकोबार परियोजना पर काम शुरू करना है और इसके लिए द्वीपों और उनके आसपास के इलाकों में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के सभी उपाय किए जाएंगे।

यह बयान कांग्रेस के कड़े विरोध के बीच आया है। कांग्रेस ने इस परियोजना को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि इससे पर्यावरण संतुलन पर असर पड़ेगा और इससे ''एक व्यवसायी'' को फायदा होगा। मीडियाकर्मियों से बातचीत में, बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री ने कहा, ''हम रुकने वाले नहीं हैं। हम इसे आगे बढ़ाएंगे। हम इसे जरूर करेंगे।'' सोनोवाल उस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या सरकार ग्रेट निकोबार परियोजना को आगे बढ़ाएगी, जबकि इसे लेकर काफी राजनीतिक विरोध हो रहा है।

जब परियोजना की समय-सीमा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि इसे चरणों में बनाया जाएगा और पहला चरण वर्ष 2028 में शुरू होगा। ग्रेट निकोबार परियोजना का मकसद ग्रेट निकोबार को एक रणनीतिक समुद्री और आर्थिक केंद्र में बदलना है। इसके लिए ईस्ट-वेस्ट शिपिंग रूट से इसकी निकटता (लगभग 40 नॉटिकल मील) का फायदा उठाया जाएगा और विदेशी पारगमन बंदरगाहोंपर निर्भरता कम की जाएगी, साथ ही रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्यों को भी ध्यान में रखा जाएगा।

ओडिशा सरकार ने तमिलनाडु गैस त्रासदी पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि बढ़ा 10 लाख रु. की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने तमिलनाडु के तिरुवल्लुर में अमोनिया गैस रिसाव की घटना में जान गंवाने वाले राज्य के प्रत्येक श्रमिक के परिजन के लिए मंगलवार को अनुग्रह राशि बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि 21 जून को तमिलनाडु के तिरुवल्लुर जिले में एक निजी समुद्री खाद्य पदार्थ प्रसंस्करण और निर्यात इकाई में अमोनिया गैस लीक होने की घटना में ओडिशा के छह लोगों की मौत हो गई।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा कि माझी ने इस घटना पर गहरा दुख जताया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। हालांकि, उन्होंने सोमवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक श्रमिक के निकटतम परिजन को 4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी, लेकिन मंगलवार को उन्होंने इस राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दिया।

भवानी देवी ने माफी मांगी, निलंबन पर फिर से विचार करने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एशियाई तलवारबाजी चैंपियनशिप में टीम स्पर्धा के दौरान अपने व्यवहार के लिए बिना शर्त माफी मांगते हुए भारत की प्रमुख तलवारबाज भवानी देवी ने उन पर लगाए गए दो महीने के निलंबन पर फिर से विचार करने की अपील की है।

इस घटना के बाद भवानी को 'काला कार्ड' दिखाया गया था जिसके कारण अनुशासनात्मक नियमों के तहत उन्हें दो महीने के लिए निलंबित कर दिया गया। भारतीय तलवारबाजी संघ (एफएआई) ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''मामले की गंभीरता को समझते हुए भवानी देवी ने बिना शर्त माफी मांगी है और खेल के नियमों, अधिकारियों और मूल्यों के प्रति अपना गहरा सम्मान व्यक्त किया है।'' विज्ञप्ति के अनुसार, ''निलंबन पर फिर से विचार करने और उसे कम करने या हटाने के लिए विश्व संस्था (एफआईई) को अनुरोध भेजा गया है।'' अपील में भवानी के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान बेहतरीन अनुशासनात्मक रिकॉर्ड का हवाला दिया है और बताया कि वह पहले कभी भी इस तरह की किसी घटना में शामिल नहीं रही हैं। एफएआई ने यह भी बताया कि अगले महीने विश्व चैंपियनशिप होने वाली है और लंबे समय तक निलंबित रहने से भारत के सबसे सफल तलवारबाजों से एक भवानी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगी।

मेरी क्रिकेट किट खरीदने के लिये मां ने गहने बेच दिये थे : क्रांति गौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नियमित सदस्य बनने के बावजूद तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ अपनी जड़ें और माता पिता के बलिदान नहीं भूली है और वह टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके उनके भरोसे पर खरी उतरना चाहती है ।

मध्यप्रदेश के एक छोटे से गांव की रहने वाली गौड़ ने बताया कि एक क्रिकेट किट खरीदने के लिये उनकी मां ने अपने गहने बेच दिये थे । गौड़ ने जियोस्टार से कहा ,''अगर आपका परिवार आपके साथ है तो दूसरे क्या कहते हैं, यह मायने नहीं रखता । ये बाहरी लोग आपकी मदद नहीं करते । मैं अपने परिवार की शुक्रगुजार हूं जो हर कदम पर मेरे साथ रहा क्योंकि समस्यायें बहुत थी । हमेशा पैसे की तंगी रहती थी ।'' उन्होंने कहा ,'' मुझे एक क्रिकेट किट दिलाने के लिये मेरी मां ने गहने बेच दिये थे । वह बहुत बड़ा बलिदान था । मेरा परिवार मेरे लिये काफी कुछ कर रहा था जिसने मुझे जिम्मेदारी का अहसास कराया । मैं उन्हें कुछ वापिस देना चाहती हूं । मैं चाहती हूं कि उनके हर बलिदान का फल मिले ।''

क्रांति गौड़ ने कहा ,'' जिस समय कई लड़कियों को घर से बाहर निकलने की भी अनुमति नहीं थी, मेरे परिवार ने मुझे कभी महसूस नहीं होने दिया कि मैं कुछ गलत कर रही हूं । उन्होंने मेरे सपनों पर भरोसा किया ।'' उन्होंने कहा ,'' इससे मुझे लगातार अच्छा खेलने और लक्ष्य हासिल करने की ताकत मिली । जब परिवार आपके साथ होता है तो बाहरी दुनिया को अनदेखा करना आसान हो जाता है।'' गौड़ की कामयाबी के बाद अब उनके गांव में क्रिकेट अकादमी खुल गई है और लड़कियां खेलों में कैरियर बना रही हैं ।

युगल के बाद एकल मे भी वापसी करेंगी सेरेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

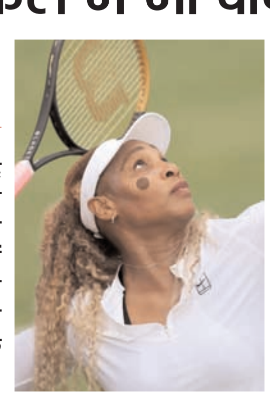

लंदन/एपी। युगल में वापसी करने के बाद अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स अब एकल में भी वापसी करने के लिए तैयार हैं। सेरेना प्रतिष्ठित विंबलडन टूर्नामेंट के साथ एकल प्रारूप में वापसी करेंगी। ऑल इंग्लैंड क्लब ने उन्हें महिला एकल स्पर्धा के लिए वाइल्ड कार्ड दिया है। यह 44 वर्षीय खिलाड़ी सोमवार से शुरू हो रहे ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट के लिए जब उतरेंगी तो सभी की नजरें उन पर टिकी होंगी। सेरेना ने हाल ही में दो युगल मैच खेले हैं लेकिन लगभग चार साल से उन्होंने कोई आधिकारिक एकल मैच नहीं खेला है। ईएसपीएन की कमेंटेटर मैरी जो फर्नांडीज ने इसे 'आत्मविश्वास का संकेत' बताया कि सेरेना इतने लंबे समय तक एकल मैच खेले बिना इस खेल के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उतरने के लिए तैयार हैं। फर्नांडीज ने कहा, ''लेकिन अगर कोई ऐसा कर सकता है तो वह सेरेना ही हैं।'' ईएसपीएन के उनके साथी कमेंटेटर पैट्रिक मैकएनरो ने कहा, ''मैं इसे सेरेना का सेरेना जैसा अंदाज कहूंगा। ऐसा साहसी काम करना बिल्कुल सेरेना जैसा है और मुझे एक पल के लिए भी नहीं लगा कि वह (सिर्फ) युगल में खेलने के लिए वापसी कर रही हैं।''

सुविचार

मुस्कान एक ऐसा उपहार है जो बिना कुछ खर्च किए भी दूसरों को बहुत कुछ दे जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लापरवाही की आग, जिंदगी खाक

फिर एक अग्निकांड हो गया। इस बार लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक इमारत सुलग उठी, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए। इस दुर्घटना के बाद कार्रवाई की घोषणाएं हो रही हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने आनन-फानन में उस 'अवैध व्यावसायिक इमारत' को गिराने का नोटिस भी जारी कर दिया। क्या इसके अधिकारियों को यह इमारत पहले दिखाई नहीं दे रही थी? अगर उन्होंने समय रहते कार्रवाई की होती तो यह अग्निकांड ही न होता। हमारे देश में अधिकारी दुर्घटनाएं होने का इंतजार क्यों करते हैं? उनके द्वारा कर्तव्य में बरती जा रही यह लापरवाही जनता की जान पर भारी पड़ रही है। ऐसे अधिकारी इसलिए भी सुस्त रहते हैं, क्योंकि इन्हें कार्रवाई का डर नहीं रहता है। ज्यादा से ज्यादा क्या होगा? निलंबित कर दिए जाएंगे! उसके बाद चुपके से बहाल हो जाएंगे। जनता जान गंवाती है तो गंवाती रहे। ऐसे अधिकारियों का क्या जाता है? इनकी नौकरी चलती रहती है। इनके ऐशो-आराम में कोई कमी नहीं आती है। एलडीए ने इस रिहायशी इमारत को व्यावसायिक तौर पर गैर-कानूनी तरीके से चलाने के मामले में अपने ही संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की है। जनता का दुर्भाग्य है कि यहां जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कराने के लिए पहले अपनी जान देनी होती है। आश्चर्य की बात यह है कि इस तीन मंजिला इमारत को साल 2016 में गिराने का आदेश दिया गया था, लेकिन दो महीने से भी कम समय में उस आदेश को वापस ले लिया गया था।

जब दस साल पहले ही इमारत को गिराने का आदेश जारी हो गया था तो उसमें किसने हस्तक्षेप किया? जनता को यह जानने का हक है। अब एलडीए के ये शब्द पीड़ित परिवारों पर किसी वज्रपात से कम नहीं हैं, 'हमने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी जांच शुरू कर दी है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ... ऐसे अधिकारियों की पहचान करने और इतने सालों में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों का पता लगाने की प्रक्रिया चल रही है।' क्या एलडीए यह सुनिश्चित कर सकता है कि भविष्य में ऐसा अग्निकांड नहीं होगा? क्या अधिकारी इसकी जिम्मेदारी लेंगे कि जो भी लापरवाही बरतेगा, उसके खिलाफ समय रहते कार्रवाई की जाएगी? क्या वरिष्ठ अधिकारियों को यह नहीं मालूम कि सरकारी दफ्तरों में फाइलें कैसे रोकी जाती हैं, कैसे आगे बढ़ाई जाती हैं और उन्हें कैसे अंतिम मंजूरी दी जाती है? अधिकारियों की लापरवाही और सुस्ती से कहीं बड़ी समस्या सरकारी दफ्तरों में फैला भ्रष्टाचार है। बच्चा-बच्चा जानता है कि दफ्तरों में जायज काम के लिए भी रिश्वत मांगी जाती है। जो व्यक्ति रिश्वत नहीं देता, उस पर दबाव डाला जाता है। उससे रिश्वत लेने के लिए कई तरह के पैंतरे आजमाए जाते हैं। जब फाइल 'भारी' हो जाती है तो वह सरपट दौड़ती है। उसे हर जगह से मंजूरी मिल जाती है। जो पहले ही रिश्वत दे देता है, उसकी सारी गलतियां माफ होती हैं। उक्त मामले में कार्रवाई के तहत चार लोगों की गिरफ्तारी के बाद सवाल उठता है- क्या इतने ही लोग दुर्घटना के जिम्मेदार हैं? क्या बाकी लोग अपना कर्तव्य ठीक ढंग से निभा रहे हैं? बिजली विभाग, अग्निशमन विभाग और एलडीए के कुछ अधिकारियों को निलंबित किया गया है। कई टीमें जांच में जुटी हैं। जांच का दायरा इसी इमारत तक सीमित न रखें। उन सभी इमारतों की जांच करें, जिनके नियम विरुद्ध निर्माण और उपयोग का संदेह है। साथ ही, सभी इमारतों में मजबूत अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित करें। आग लगने के बाद कार्रवाई करने से कहीं बेहतर है कि पहले ही उसे रोकने के इंतजाम कर दें। इस काम में अधिकारियों की लापरवाही, सुस्ती और भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त न किया जाए।

ट्वीटर टॉक

किसी भी संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। ट्रेनिंग कैंप में कांग्रेस के साथियों और कार्यकर्ताओं से बातचीत हुई। उनके विचार, सुझाव और एनर्जी ही हमारे संगठन की असली पूंजी हैं। हम सब मिलकर एक मजबूत संगठन बनाएंगे।

-सचिन पायलट

देश की एकता और गौरव की रक्षा के लिए उनका त्याग और समर्पण भारतीय इतिहास में हमेशा के लिए अंकित रहेगा। उनके विचार, आदर्श और 'राष्ट्र प्रथम' का संकल्प देशवासियों को मातृभूमि की सेवा करने और एक विकसित और मजबूत भारत बनाने के लिए लगातार प्रेरित करता रहेगा।

-अर्जुनराम मेघवाल

आज भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रख्यात राष्ट्रवादी विचारक और हम सभी के प्रेरणा स्रोत श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर हम उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

वर्तमान पर विश्वास

एक वन-आश्रम में एक वृद्ध साधु रहते थे। लोग दूर-दूर से उनके पास आशीर्वाद लेने आते, लेकिन वे न तो उपदेश देते थे और न ही लंबी बातें करते थे। एक दिन एक युवक उनके पास आया और बोला कि उसके पास सब कुछ हैपढ़ाई, मेहनत और अवसरफिर भी उसके मन में हमेशा डर बना रहता है। साधु उसे बिना कुछ कहे जंगल में ले गए, जहां एक टूटा हुआ पुल पड़ा था। साधु ने उस पुल पर एक-एक लकड़ी रखनी शुरू की और धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगे। युवक घबराकर बोला, 'यह खतरनाक है, हम गिर सकते हैं।' साधु मुस्कराए और बोले, 'डर इसलिए नहीं लगता क्योंकि पुल टूटा है, डर इसलिए लगता है क्योंकि हमें अगले कदम पर विश्वास नहीं होता।' कुछ देर बाद वे सुरक्षित पार पहुंच गए। लौटते समय साधु ने कहा, 'जीवन भी इसी पुल की तरह हैपूरा रास्ता एक साथ नहीं दिखता, लेकिन जो हर कदम ईमानदारी और विश्वास के साथ रखता है, उसके लिए रास्ता बनता चला जाता है।' उस दिन युवक समझ गया कि साहस भविष्य को पूरी तरह देखने से नहीं, बल्कि वर्तमान पर विश्वास करने से पैदा होता है।

सामयिक

हकीकत को स्वीकार करने में झिझक कैसी?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

सन 2014 के पहले भारत में आम धारणा यही थी कि देश में कांग्रेस के अलावा किसी भी एक पार्टी को लोकसभा में कभी बहुमत प्राप्त नहीं हो सकता। कांग्रेस को छोड़कर किसी अन्य पार्टी के नेतृत्व में अगर कोई गठबंधन की सरकार बनेगी तो उसका स्थिर होकर 5 वर्षों तक चलना मुश्किल होगा। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सन 1999 से 2004 तक की पहली सरकार थी जिसका कार्यकाल पूरा होना निश्चित था। लोकसभा भंग कर समय पूर्व चुनाव कराने के कारण वह सरकार भी 5 वर्ष पूरा नहीं कर पाया। इसके पहले 1996 में वाजपेयी सरकार केवल 13 दिन रही और 1998 में एक वर्ष। 1977 में पहले गैर कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार ढाई वर्ष ही जीवित रह पाती तो 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में गठबंधन सरकार केवल 11 महीने चल सकी। संयुक्त मोर्चा की सरकारों में एचडी देवेगौड़ा और इंदर कुमार गुजराल जैसे दो प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कुल डेढ़ वर्ष ही सरकार चली। इसी बीच 1991 में नरसिंह राव के नेतृत्व में 232 सांसदों की अल्पमत कांग्रेस सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया। 2004 में कांग्रेस के पास केवल 145 सांसद थे लेकिन डौ मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार ने पहले 5 वर्ष और फिर 206 सांसदों के साथ अगले 5 वर्ष का काल पूरा किया। इस पृष्ठभूमि में विचार करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 12 वर्ष का कार्यकाल और निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक समय तक पद पर बने रहने का रिकॉर्ड असाधारण प्रतीत होगा। दुखद है कि इस विषय के विरुद्ध अभियान रुकने का नाम ही नहीं ले रहा। भाजपा के विरोधी समर्थक सभी विचार करें कि क्या 2014 के पूर्व कोई कल्पना कर सकता था कि भाजपा को संसद में बहुमत प्राप्त हो जाएगा?

यह दुखद है कि हमारे देश में पत्रकारों, एक्टिविस्टों, बुद्धिजीवियों, एनजीओ चलाने वालों के एक बड़े वर्ग में नरेंद्र मोदी, भाजपा, हिंदुत्व विचारधारा, संघ आदि को लेकर स्थायी घृणा का भाव है। कम से कम इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री के रूप में उनके काम और संघ के भी विस्तृत के व्यवहार को देखने के बाद इन्हें अपनी सोच और व्यवहार पर विचार करना चाहिए। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध इन लोगों ने वर्षों ऐसा अभियान चलाया कि उन्हें इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर देखना ही स्वीकार करना सहज रूप में संभव नहीं हो पा रहा है। इसलिए किसी भी तर्क को ये अपने आधारहीन तथ्यों और कुतर्कों से खारिज करने की कोशिश करते है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का सबसे लंबा रिकॉर्ड बताना प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को छोटा दिखाने का अभियान कैसे हो गया? इसमें छोटे-बड़े की बात कैसे आ गई? यह बात ठीक है कि पंडित नेहरू के हाथों भारत का नेतृत्व 2 सितंबर, 1946 से लेकर उनकी 27 मई 1964 को उनकी मृत्यु तक रही। किंतु स्वतंत्र भारत के संविधान के तहत पहले आम चुनाव के बाद वयस्क मताधिकार द्वारा निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने 13 मई, 1952 को ही पदभार ग्रहण किया था। इस तरह अपने निधन तक वे कुल 4397 दिन इस पद पर रहे। नरेंद्र मोदी 13 मई 2026 को 4398 दिन पूरी करके उससे आगे निकल गये। यह सच स्वीकार करने में क्या समस्या है?

> **वैसे भी पंडित नेहरू और नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत जीवन ही नहीं विचारों और नीतियों में कोई तुलना नहीं है। पश्चिम और अंग्रेजी में शिक्षित होने के कारण नेहरू जी की अपने देश के बारे में सोच और व्यवहार स्वयं कांग्रेस के अंदर भारत को गहराई से समझने वालों को ही स्वीकार नहीं था। यह द्वंद्व उनके अंतिम समय तक कायम रहा। उस समय बौद्धिक क्षेत्र पर अंग्रेजी पढ़े लिखे और उसी सोच वालों का वर्चस्व था। वही देश का नॉरेटिव निर्धारित करते थे। इसलिए नेहरू जी उनके प्रिय थे।**

पंडित नेहरू को 2 सितंबर, 1946 को भारत की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में तत्कालीन वायसराय लॉर्ड आर्किवल्ड वेवेल ने शपथ दिलाई। उस समय उनके पद का नाम वाइस प्रेसिडेंट ऑफ द एग्जीक्यूटिव काउंसिल यानी अंतरिम सरकार का उपाध्यक्ष था। यह व्यावहारिक रूप से प्रधानमंत्री के समकक्ष था किंतु पदनाम नहीं था। स्वतंत्रता के बाद 15 अगस्त, 1947 को उन्हें फिर शपथ दिलाई गई। नेहरू स्वतंत्रता के पूर्व जिस कांग्रेस के अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे थे वह लगभग उस समय देश के अधिकतर विचारधाराओं का संयुक्त मंच था जिसका लक्ष्य अंग्रेजों से स्वतंत्रता प्राप्त करना था। उसमें सच यह भी है कि तत्काल 15 राज्यों में से नेहरू जी के नाम का अनुमोदन किसी प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति नहीं किया था। इसमें यहां विस्तार से अभी जाना आवश्यक नहीं। आज यह विचार तो अवश्य होना चाहिए कि आखिर उस समय के किसी राज्य के कांग्रेस के नेताओं को ऐसा क्यों नहीं लगा कि नेहरू जी को देश का नेता होना चाहिए? जब हम नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल को नेहरू जी से छोटा दिखाने की कोशिश करेंगे और उसके लिए हर तरह के उपहास व निंदा पर उतर जाएंगे तो फिर ऐसे अनेक प्रश्नों का उत्तर देना पड़ेगा। किसी को पंडित नेहरू के कार्यकाल, उनकी नीतियों, विचारों का समर्थन करने का अधिकार है तो दूसरे को उसकी आलोचना का। यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदर्भ में भी लागू होती है। लेकिन मोदी के संदर्भ में आलोचना और निंदा समस्त मर्यादाओं और गरिमा को पार कर जाती है। हमेशा उन्हें छोटा दिखाये तो प्रतिक्रिया में फिर नेहरू जी से लेकर सारे कांग्रेसी नेताओं के भी उनके समर्थक ऐसी ही दुर्गति करेंगे। यह केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। आप डिजिटल मीडिया या आम लोगों के बीच चले जाइए अमित लोग आपको नेहरू जी उनके परिवार को लेकर इस तरह की प्रतिक्रियाएं देते मिल जाएंगे। इसलिए अच्छा यह होता कि विरोधी भी मोदी जी को उनके कार्यकाल के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए नेहरू जी को लेकर अपना पक्ष रखते तो यह स्थिति पैदा नहीं होती।

वैसे भी पंडित नेहरू और नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत जीवन ही नहीं विचारों और नीतियों में कोई तुलना नहीं है। पश्चिम और अंग्रेजी में शिक्षित होने के कारण नेहरू जी की अपने देश के बारे में सोच और व्यवहार स्वयं कांग्रेस के अंदर भारत को गहराई से समझने वालों को ही स्वीकार नहीं था। यह द्वंद्व उनके अंतिम समय तक कायम रहा। उस समय बौद्धिक क्षेत्र पर अंग्रेजी पढ़े लिखे और उसी सोच वालों का वर्चस्व था। वही देश का नॉरेटिव निर्धारित करते थे। इसलिए नेहरू जी उनके प्रिय थे। आज की भाषा में हम उन्हें अभिजात्य वर्ग कह सकते हैं। नरेंद्र मोदी सामान्य परिवार से गरीबी से निकले हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में लंबे समय तक जीवन दानी रहते हुए अपने अनुभवों के बाद यहां तक पहुंचे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व में रहते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनका सामना अलग-अलग विचारों से हुआ है। इस कारण उनके व्यवहार में संतुलन है। अभिजात्य पृष्ठभूमि न होने के बावजूद प्रधानमंत्री के रूप में विदेशी नेताओं के साथ उनके बेहतर संवाद हैं, अनेक नेताओं से उनके व्यक्तिगत संबंध है तथा सभी उनके बारे में सम्मानजनक भाषा क्यों करते हैं। उनके नेतृत्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। सबसे बड़ी बात कि हिंदुत्व, भारत, भारतीयता, भारत की वैश्विक सोच, विश्व कल्याण के भाव आदि को उन्होंने विश्व मंच पर जिस तरीके से रखा है उससे न केवल भारत राष्ट्र के प्रति दुनिया की सोच बदल रही है बल्कि इसके प्रति आकर्षण और बढ़ा है। ठीक इसके विपरीत नेहरू जी और उनके संस्थानों में इस पूरी विचारधारा को लेकर जुगुप्सा का भाव रहा है और आज तक है। इसलिए देश में इसका विरोध होता है और विदेश में भी यहां से प्रभावित लॉबी ही ऐसा करती है। मोदी के शासनकाल में नेहरू जी के काल के विपरीत भारत तीव्र व सघन सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजरा और आज आम भारतीय को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि हम कौन हैं क्या हो गए थे और हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए। धीरे-धीरे हमारी संस्कृति, धर्म, परंपरा, अध्यात्म सबकी समझ विकसित हुई है और इसका परिणाम देश के सामूहिक व्यवहार के रूप दिखता है। आप देखेंगे कि विदेश में रहने वाले भारतवंशियों में जितनी प्रखरता भारतीयता,संस्कृति , धर्म, विरासत आदि को लेकर इन वर्षों में हुआ है वैसा पहले नहीं देखा गया। नेहरू जी और मोदी जी में यही मौलिक अंतर है। यह केवल वचन के स्तर पर नहीं है। सामाजिक न्याय को व्यावहारिक धरातल पर उतारने के कारण आम लोगों की सक्षमता बढ़ी है। देश के युवक- युवतियों में स्वयं कुछ करने व महिलाओं के अंदर आत्मविश्वास व आत्मसम्मान का भाव व्यवहारिक नीतियों के कारण बढ़ा है। यही कार्य स्वतंत्रता के बाद होना चाहिए जिसकी आकांक्षा स्वयं महात्मा गांधी से लेकर हमारे अनेक महापुरुषों की थी। ऐसा पहले होता भारत आंतरिक रूप से कुछ और होता एवं उसकी छवि तथा विश्व पर प्रभाव भी दूसरे रूप में होता। कश्मीर से लेकर मुख्य सुरक्षा मामलों पर नेहरू जी की नीति उनकी शिक्षा और सोच से प्रभावित थी। जम्मू कश्मीर, चीन आदि पर उसकी ट्रेजेडी हम आज तक भुगत रहे थे। मोदी की नीति ने इन मामलों पर दृढ़ता, साहस और साधारण पराक्रम प्रदर्शित किया है। इससे भारत विरोधियों को भी व्यवहार पर पुनर्विचार करने को विवश होना पड़ा तथा भारत की विश्व स्तर पर आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को लेकर एक दृढ़निश्चयी, सशक्त व निर्णायक कार्रवाई करने वाले की छवि बनी है। कोई इन बातों को न स्वीकारे तो उससे सच नहीं बदल जाता। बावजूद हम मानते हैं कि चाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या पंडित नेहरू हम उनसे सहमत हो या असहमत हमारे अंदर सम्मान का भाव होना चाहिए।

नजरिया

मौत की फैक्ट्री बनते शहर और सोती हुई व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत उस व्यवस्था के चेहरे से नकाब हटाने वाली त्रासदी है, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के सहारे चल रही है। जिन बच्चों को उनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर कोचिंग भेजते हैं, वे यदि धुएं से भरे कमरों, बंद दरवाजों और अवैध निर्माणों के बीच दम तोड़ दें तो उसे केवल हादसा कहना सच्चाई से मुंह मोड़ना होगा। यह उन परिस्थितियों में हुई मौत है, जिसे रोका जा सकता था, टाला जा सकता था और जिसकी जिम्मेदारी तय की जा सकती है। इसलिए यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में हादसा था या फिर भ्रष्ट व्यवस्था द्वारा किया गया एक सुनियोजित प्रशासनिक हत्याकांड? घटना के विवरण किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने के लिए पर्याप्त हैं। आग लगने के बाद छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। कुछ तीसरी मंजिल से नीचे कूद गए, कुछ बाथरूम में छिप गए, यह सोचकर कि शायद वहां धुएं से बच सकेंगे लेकिन दम घुटने से उनकी मौत हो गई। यह दृश्य किसी युद्ध या प्राकृतिक आपदा का नहीं बल्कि उस इमारत का दृश्य था, जिसे नियमों की अनदेखी कर व्यावसायिक लाभ कमाने के लिए तैयार किया गया था। जहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे, जहां फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं हुआ और जहां छात्रों की सुरक्षा से अधिक महत्व मुनाफे को दिया गया।

> **जब किसी भवन मालिक या अधिकारी की लापरवाही के कारण लोगों की मौत होती है तो उसे केवल प्रशासनिक गलती मानकर छोड़ देना न्याय के साथ खिलवाड़ है। ऐसे मामलों में कठोर आपराधिक दायित्व तय होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति मानव जीवन की कीमत पर लाभ कमाने का साहस न कर सके।**

कुछ ही समय पहले दिल्ली के मालवीय नगर में भी भीषण आग ने 21 लोगों की जान ले ली थी। उससे पहले मुंडका, अनाज मंडी, करोल बाग, अलीपुर और उपहार सिनेमा जैसे अनेक अग्निकांड देश देख चुका है। हर बार जांच में लगभग एक जैसी बातें सामने आती हैं, अवैध निर्माण, बंद निकास मार्ग, फायर एनओसी का अभाव, क्षमता से अधिक लोगों की मौजूदगी, प्रशासनिक अनदेखी और भ्रष्टाचार। यदि हर बार कारण एक जैसे हैं तो फिर इन घटनाओं को दुर्घटना नहीं बल्कि व्यवस्था की विफलता का परिणाम माना जाना चाहिए। लखनऊ अग्निकांड की प्रारंभिक जांच ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जिस इमारत में कोचिंग सेंटर चल रहा था, वहां स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण किया गया था। सेटबैक क्षेत्र तक को कवर कर लिया गया था। नीचे पेट शॉप और गेमिंग जोन संचालित हो रहे थे जबकि ऊपर कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी चल रही थी। एक ही इमारत में अलग-अलग व्यावसायिक गतिविधियों का ऐसा मिश्रण सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक माना जाता है। सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया कि जिस रास्ते से छात्रों को बाहर निकलना था, वह प्रभावी रूप से बंद था। ऐसे में आग लगने के बाद उनके पास बचने का कोई विकल्प नहीं बचा। यह केवल तकनीकी गलती नहीं बल्कि मानव जीवन के प्रति घोर उपेक्षा का उदाहरण है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी इमारतें अस्तित्व में आती कैसे हैं? क्या नगर निगम, विकास प्राधिकरण, फायर विभाग, बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं होती? कोई भी अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं हो जाता। उसकी नींव पड़ती है, दीवारें खड़ी होती हैं, मंजिलें बनती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन दिए जाते हैं और फिर वहां व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभाग शामिल होते हैं। सच्चाई यही है कि भ्रष्टाचार और मिलीभगत की जड़ें इतनी गहरी हैं कि नियम केवल फाइलों में रह जाते हैं जबकि जमीन पर अवैधता का साम्राज्य खड़ा हो जाता है। देश का शहरी विकास मॉडल भी इस समस्या के लिए कम जिम्मेदार नहीं है।

आज अधिकांश शहरों में अधिक से अधिक लाभ कमाने की होड़ लगी हुई है। बिल्डर अतिरिक्त मंजिलें जोड़ देते हैं, सेटबैक क्षेत्र को कवर कर लेते हैं, बेसमेंट का उपयोग अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के लिए करते हैं और आपातकालीन निकास को स्टोर रूम में बदल देते हैं। बदले में कुछ अधिकारियों की जेबें गर्म हो जाती हैं और फाइलों में सब कुछ वैध दिखाई देने लगता है। नतीजा यह होता है कि एक पूरी इमारत धीरे-धीरे मौत के जाल में बदल जाती है और किसी दिन एक चिंगारी सैंकड़ों परिवारों की खुशियां छीन लेती है।

लखनऊ में बाथरूम में छिपे छात्रों की दम घुटने से हुई मौतें इस बात का प्रमाण हैं कि उन्हें बाहर निकलने का कोई सुरक्षित रास्ता नहीं मिला। यदि पर्याप्त निकास द्वार होते, यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता, यदि नियमित निरीक्षण हुए होते और यदि संबंधित विभागों ने समय रहते कार्रवाई की होती तो संभव है कि ये सभी जिंदगियां बचाई जा सकती थी। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि इन मौतों के पीछे केवल आग नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता, भ्रष्टाचार और जवाबदेही का अभाव भी जिम्मेदार है। अब समय केवल संवेदना व्यक्त करने का नहीं है। देश को एक कठोर और निर्णायक नीति की आवश्यकता है। सभी व्यावसायिक इमारतों, कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों, होटलों और मॉल्स का नियमित तथा डिजिटल सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए। फायर एनओसी की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और सार्वजनिक होनी चाहिए ताकि कोई भी नागरिक किसी भवन की सुरक्षा स्थिति की जांच कर सके। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाने की परंपरा समाप्त होनी चाहिए और ऐसे निर्माणों को तत्काल ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिम्मेदारी केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिन अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में ऐसे अवैध निर्माण पनपते हैं, उन्हें भी समान रूप से उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए।

कानूनी व्यवस्था में भी बदलाव की आवश्यकता है। जब किसी भवन मालिक या अधिकारी की लापरवाही के कारण लोगों की मौत होती है तो उसे केवल प्रशासनिक गलती मानकर छोड़ देना न्याय के साथ खिलवाड़ है। ऐसे मामलों में कठोर आपराधिक दायित्व तय होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति मानव जीवन की कीमत पर लाभ कमाने का साहस न कर सके। लखनऊ का अग्निकांड केवल 15 परिवारों का व्यक्तिगत दुःख नहीं है, यह पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह बताता है कि यदि हमने व्यवस्था की खामियों को दूर नहीं किया, यदि भ्रष्टाचार और मिलीभगत पर अंकुश नहीं लगाया और यदि सुरक्षा मानकों को केवल कागजी औपचारिकता बनाए रखा तो अगली त्रासदी केवल समय का प्रश्न होगी। तब फिर कुछ मासूम जिंदगियां बुझ जाएंगी, कुछ परिवार हमेशा के लिए उजड़ जाएंगे और व्यवस्था फिर वही पुराना राग अलापेगी। इसलिए अब खोखले आश्वासनों का समय समाप्त हो चुका है। अब जरूरत है जवाबदेही, पारदर्शिता और कठोर कार्रवाई की।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिका-ईरान करार के दीर्घकालिक समझौते का रूप लेने की उम्मीद : शरीफ

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ करार (एमओयू) बाद में ''दीर्घकालिक समझौते'' का रूप ले लेगा।

अमेरिका और ईरान ने पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने और क्षेत्रीय सुरक्षा व अन्य विवादित मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

शरीफ संसद को संबोधित कर रहे थे, जिसने चर्चा के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के विरोध के बावजूद 2026-27 का बजट पारित कर दिया।

शरीफ ने कहा, ''हमें पूरी उम्मीद है कि अगले 60 दिन में यह एमओयू एक लंबे समय तक प्रभाव में रहने वाले समझौते में बदल जाएगा, जिससे दुनिया में शांति आएगी।''

इस्लामाबाद एमओयू के तहत स्विस रिजॉर्ट ऑफ बर्गनस्टॉक में हुई हालिया उच्च-स्तरीय बातचीत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि गहन बातचीत रविवार को शुरू हुई और सोमवार को आधी रात के बाद तक चली, जिसमें अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों ने पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में जटिल मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अगले 60 दिन में अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत होगी, जिसमें ईरान की परमाणु संपत्तियों, बैलिस्टिक मिसाइलों और फ्रीज की गई संपत्तियों पर चर्चा की जाएगी।

शरीफ़ ने कहा, ''पाकिस्तान ने पूरी ईमानदारी से दोनों पक्षों के बीच की दूरी को कम करने की हरसंभव कोशिश की।'' उन्होंने कहा कि सोमवार तड़के मध्यस्थों द्वारा एक संयुक्त बयान जारी किया गया। शरीफ ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका को 'महत्वपूर्ण' और 'ऐतिहासिक' बताते हुए इसके लिए संसद और देश को बधाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि इस राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए पाकिस्तान का दौरा कर रहे हैं।

सिंधु दर्शन

लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राजदूतों, उच्चायुक्तों, आध्यात्मिक गुरुओं और श्रद्धालुओं के साथ मंगलवार को लेह में आयोजित 'सिंधु दर्शन महाकुंभ 2026' में हिस्सा लिया। इस दौरान दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता भी मौजूद रहे।

सिंदूर

त्रिपुरा के अगरतला जिले में मंगलवार को अंबुबाची उत्सव के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत एक-दूसरे को कामाख्या सिंदूर लगातीं महिलाएं।

वेतन असमानता पर पल्लवी जोशी का छलका दर्द, कहा- 'सबसे ज्यादा लोकप्रिय होने के बावजूद मिली आधी फीस'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और प्रोड्यूसर पल्लवी जोशी ने 80 और 90 के दशक में अपने अभिनय से घर-घर में पहचान बनाई। उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर टीवी से लेकर बड़े पर्दे तक सफर तय किया। इस दौरान उन्हें वेतन असमानता का सामना करना पड़ा। इसको लेकर पल्लवी जोशी ने सार्वजनिक तौर पर अपनी बात रखी और दर्द बयां किया। पल्लवी जोशी ने कहा, 90 के दशक में, जब मैं अपने करियर के चरम पर थी, तब भी मुझे पुरुष कलाकारों की तुलना में कम वेतन मिलता था। उस समय में टीवी की सबसे ज्यादा फीस पाने वाली अभिनेत्रियों में से एक थीं, लेकिन इसके बावजूद मेरे साथ काम करने वाले पुरुष कलाकारों की तुलना में मेरी कमाई काफी कम थी। पल्लवी जोशी ने बताया, एक समय ऐसा भी था जब एक मैगजीन कवर पेज पर मेरी और अभिनेता शेखर सुमन की तस्वीर एक साथ छपी थी। उस दौर में हम

दोनों टीवी के सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा फीस पाने वाले कलाकारों में गिने जाते थे। शेखर सुमन को उस समय मेरी तुलना में लगभग दोगुनी फीस मिलती थी।

उन्होंने कहा, यह किस्सा अपने आप में उस दौर की स्थिति को उजागर करता है कि कैसे महिला कलाकारों को बराबर काम और लोकप्रियता के बावजूद कम भुगतान किया जाता था। यह अंतर उस समय इंडस्ट्री में सामान्य बात थी।

उन्होंने कहा, भले ही मुझे उस समय की सबसे सफल और ज्यादा फीस पाने वाली अभिनेत्री माना जाता था, लेकिन वास्तविकता यह थी कि पुरुष सहकलाकारों की तुलना में कमाई हमेशा कम ही रही। यह अनुभव मेरे लिए एक सोचने वाला विषय था और मैंने इसे उस समय चुपचाप स्वीकार किया, क्योंकि उस दौर में इस तरह के मुद्दों पर खुलकर बात नहीं होती थी। बता दें कि पल्लवी जोशी ने 80 और 90 के दशक में भारतीय टेलीविजन पर एक मजबूत पहचान बनाई थी। उन्होंने कई लोकप्रिय धारावाहिकों में काम किया, जिनमें 'मृगनयनी', 'तलाश' और 'आरोहण' जैसे शो शामिल हैं। इस बातचीत के दौरान शेखर सुमन का भी जिक्र हुआ, जो उस समय टीवी इंडस्ट्री के बेहद लोकप्रिय अभिनेता थे। उन्होंने 'देख भाई देख', 'वाह जनाब' और 'मूवर्स एंड शेकर्स' जैसे हिट शोज से दर्शकों के बीच बड़ी पहचान बनाई थी और अभी यूट्यूब शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर भी काफी चर्चा में हैं।

स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए : चेतना पांडे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर से बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें। से बात करते हुए चेतना पांडे ने कहा, करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।चेतना ने कहा, मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।चेतना ने कहा, मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता। 'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

देश में 'रूफटॉप' सौर क्षमता बढ़ रही, लेकिन राज्यों मं यह वृद्धि संतुलित नहीं : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। देश में छतों पर लगने वाली सौर प्रणाली की क्षमता तेजी से बढ़ रही है लेकिन यह बढ़ोतरी संतुलित नहीं है। ज्यादातर बढ़ोतरी पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में हुई है, जबकि पूर्वी और पूर्वोत्तर के बड़े हिस्से अब भी काफी पीछे हैं। एक विश्लेषण में यह बात सामने आई है।

गुजरात, महाराष्ट्र और केरल में मार्च तक छतों पर लगने वाली सौर ऊर्जा प्रणाली (रूफटॉप) की क्षमता क्रमशः 6,882 मेगावाट, 5,442 मेगावाट और 1,850 मेगावाट थी। वहीं, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और असम में यह क्रमशः 156 मेगावाट, 67 मेगावाट, 95 मेगावाट और 344 मेगावाट थी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि अगर भारत 2035 तक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की उत्सर्जन तीव्रता में 47 प्रतिशत की कटौती और 60 प्रतिशत गैर-जीवाश्म-आधारित बिजली क्षमता की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना चाहता है, तो हर राज्य को अपनी रूफटॉप सोलर क्षमता बढ़ानी होगी।

बेंगलूरु स्थित शोध और परामर्श संस्था क्लाइमेट कम्पेटिबल फ्यूचर्स (सीसीएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, ''रूफटॉप सोलर, बिना नई जमीन या पारेषण लाइन के मांग वाली जगह के पास साफ-सुथरी ऊर्जा क्षमता जोड़ने के सबसे तेज तरीकों में से एक है, लेकिन ऐसा तभी होगा जब इसे बड़े पैमाने पर अपनाया जाए।'' भारत की कुल रूफटॉप क्षमता मार्च तक 25.7 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) तक पहुंच गई और अकेले 2026 की पहली तिमाही में 2.7 गीगावाट क्षमता जोड़ी गयी जो एक साल पहले की इसी तिमाही की तुलना में 125 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट के लेखकों के अनुसार, गुजरात, महाराष्ट्र और केरल जैसे पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों ने अच्छा प्रदर्शन किया है क्योंकि उन्होंने कई साल पहले ही सौर प्रणाली लगाने से जुड़े नेटवर्क, वित्त पोषण चैनल और ग्राहकों में जागरूकता बढ़ाने का काम शुरू कर दिया था।

एक और वजह यह है कि उनकी वितरण कंपनियां 'नेट-मीटरिंग एप्लिकेशन' को तेजी से प्रसंस्कृत करती हैं और रूफटॉप सोलर को एक संपत्ति के तौर पर देखती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्य कई वजहों से अब तक अपनी रूफटॉप सौर क्षमता बढ़ाने में नाकाम रहे हैं। ''पूर्वी क्षेत्र के अधिकतर हिस्सों में, आर्थिक रूप से मुश्किलों का सामना कर रही बिजली वितरण कंपनियां धीमी और अधिक सतर्क हैं। विक्रेताओं का आकार छोटा है और घरों को कर्ज मिलने में दिक्कत होती है और सब्सिडी के बारे में जानकारी भी कम है।''

सिंगापुर में होगी 'तुम से तुम तक' के खास ट्रैक की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

टीवी का लोकप्रिय शो 'तुम से तुम तक' में एक नया और खास ट्रैक जुड़ने जा रहा है, जिसे लेकर शो की मुख्य अभिनेत्री निहारिका चौकसे काफी उत्साहित हैं। इस नए ट्रैक में उनके साथ अभिनेता शरद केलकर भी नजर आएंगे, और कहानी को एक नया मोड़ मिलेगा। से बात करते हुए निहारिका चौकसे ने कहा, शो का आने वाला हनीमून ट्रैक मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि यह कहानी का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह मोड़ मेरे किरदार 'अनु' और शरद केलकर के किरदार 'आर्य' की कहानी में एक बड़ा बदलाव लेकर आएगा। इस ट्रैक में दोनों किरदारों को एक साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। निहारिका ने कहा, यह कहानी का एक ऐसा हिस्सा है, जिसमें अनु और आर्य रोजमर्रा की भागदौड़ और तनाव से दूर, अपने रिश्ते को समझने की कोशिश करेंगे। इस दौरान उनके बीच भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा और दर्शकों को उनके रिश्ते का एक नया पहलू देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार ही किसी कलाकार के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। अनु और आर्य की जोड़ी को दर्शकों से जो प्रतिक्रिया मिल रही है, वह पूरी टीम के लिए उत्साह बढ़ाने वाली है। इसी प्यार की वजह से टीम और मेहनत कर रही है ताकि कहानी को और बेहतर तरीके से पेश किया जा सके और दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके। उन्होंने बताया कि इस खास ट्रैक की शूटिंग के लिए पूरी टीम जल्द सिंगापुर रवाना होने वाली है। यह शूटिंग जुलाई में होगी और लगभग एक हफ्ते तक चलेगी। विदेश में शूटिंग करना हमेशा एक अलग अनुभव होता है, क्योंकि वहां का माहौल, लोकेशन और काम करने का तरीका सब कुछ नया होता है।

इस वजह से पूरी टीम में काफी उत्साह है और सभी लोग इस नए शेड्यूल को लेकर उत्सुक हैं। निहारिका ने कहा, जब टीम एक साथ किसी नए देश या जगह पर शूट करती है, तो उनके बीच की बॉन्डिंग भी और मजबूत हो जाती है। हालांकि ऐसे शेड्यूल थोड़े थकाने वाले जरूर होते हैं, लेकिन नए अनुभव और टीम के साथ बिताया गया समय इसे यादगार बना देता है।

अभिनेता और फिल्म निर्माता रितेश देशमुख, इंटरनेट पर्सनालिटी पामला सेरेना और अभिनेत्री शिवांगी जोशी मुंबई में रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सज़ा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया से रूबरू हुए।

'अल्फा' के प्रमोशन के दौरान आलिया भट्ट ने एथलीट गुरिंदरवीर सिंह को गिफ्ट किया मोतीचूर लड्डू का डिब्बा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री आलिया भट्ट फिल्म 'अल्फा' में अपनी एक्शन अवतार को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसके ट्रेलर को लोगों ने काफी पसंद किया। फिलहाल, वह फिल्म के प्रमोशन में जुटी हैं। इस बीच उन्होंने भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह संग बातचीत की और मोतीचूर लड्डू का डिब्बा गिफ्ट किया। बातचीत के दौरान आलिया ने गुरिंदरवीर से पूछा कि उन्होंने भारत के सबसे तेज एथलीट बनने का फैसला कब लिया। इस पर गुरिंदरवीर ने अपने बचपन की यादें साझा कीं और कहा, बचपन में मैं अपने पिता की ट्रॉफियां और मेडल साफ किया करता था। उनकी एक फोटो भी थी, जिसमें वह जंप कर रहे हैं और वॉलीबॉल खेल रहे हैं। फिर मैंने उसैन बोल्ट का वर्ल्ड रिकॉर्ड देखा, जिसके बाद मैंने एथलीट बनने की ठान ली। उन्होंने कहा, लोगों ने मुझे बताया कि इस क्षेत्र में बहुत मेहनत लगती है और आसान नहीं है, लेकिन मैंने तय किया कि मैं इसके लिए कड़ी तैयारी करूंगा।

गुरिंदरवीर ने बताया, मेरे पिता पहले वॉलीबॉल खेलते थे, लेकिन एक चोट के कारण उन्हें खेल

छोड़ना पड़ा। वह अक्सर कहा करते थे 'अगर मैं खेलना जारी रखता तो आज मेरी जिंदगी कुछ और होती।' पिता के इस अधूरे सपने को मैंने अपना सपना बना लिया।उन्होंने आगे बताया, जब मैंने अपनी पहला बड़ा रेस पूरी की और पिता को फोन कर पूछा कि अब कैसा महसूस हो रहा है।

इस पर मेरे पिता ने खुशी जताई और कहा कि उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है।इस बातचीत के दौरान आलिया भट्ट ने गुरिंदरवीर सिंह को 'मोतीचूर लड्डू' का एक डिब्बा गिफ्ट किया। इस पर गुरिंदरवीर सिंह ने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह पूरा लड्डू का डिब्बा खा जाएंगे। इसके बाद उन्होंने आलिया को एक जर्सी गिफ्ट की।फिल्म 'अल्फा' की बात करें तो इसे शिव रवैल ने डायरेक्ट किया है और यह यशराज स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इस फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जबकि ऋतिक रोशन स्पेशल अपीयरेंस में दिखाई देंगे। यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को रिलीज होगी।

मुझे महिलाओं का स्मोकिंग करना पसंद नहीं : शिल्पा शिंदे

मुंबई/एजेन्सी

आज के समय में 'फेमिनिज्म' शब्द लगातार चर्चा में रहता है। सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों और इंटरव्यू तक, इसकी अलग-अलग परिभाषाएं देखने को मिलती हैं। इस बीच अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने को दिए इंटरव्यू के दौरान इस पर अपनी अलग राय पेश की है। शिल्पा शिंदे ने कहा, मेरा मानना है कि असली पहचान बाहरी दिखावे से नहीं आती, बल्कि आत्मविश्वास, मूल्यों और खुद को समझने की क्षमता से होती है। यह जरूरी नहीं है कि कोई महिला क्या पहन रही है या कैसे दिखती है, बल्कि यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वह अपने जीवन को कितनी स्पष्टता से समझती है। इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने खुद को 'थोड़ा पारंपरिक सोच वाली' बताया। उन्होंने कहा, यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। कई लोग धूम्रपान या लाइफस्टाइल को मॉडिनिटी से जोड़ देते हैं, लेकिन मैं इस विचार से सहमत नहीं हूं। किसी आदत को मॉर्डिनिटी का पैमाना नहीं माना जा सकता।शिल्पा शिंदे ने आगे कहा,

मेरे लिए मॉर्डिनिटी का मतलब अलग है। सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या अलग तरह के कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता।

असली बोल्डनेस वह है, जब कोई व्यक्ति अपने विचारों पर मजबूत हो, अपने फैसलों को समझता हो और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीता हो। बाहरी दिखावा और असली व्यक्तित्व दो अलग चीजें हैं, जिन्हें अक्सर लोग गलत तरीके से जोड़ देते हैं।

शिल्पा शिंदे ने कहा, कपड़े और सोच का आपस में कोई सीधा संबंध नहीं होता। किसी व्यक्ति की मानसिकता उसके पहनावे से तय नहीं होती। कोई व्यक्ति साड़ी पहनकर भी मॉडर्न सोच रख सकता है और कोई मॉडर्न कपड़े पहनकर भी पुराने विचारों वाला हो सकता है। इसलिए किसी को उसके कपड़ों से जज करना सही नहीं है। शिल्पा शिंदे ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से साड़ी पहनने वाली महिलाएं ज्यादा पसंद हैं, लेकिन यह मेरी फैशन या पसंद की बात है, न कि सोच की। एक महिला के लिए सबसे जरूरी चीज यह है कि वह खुद को समझे, अपने मूल्यों को जाने और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीए। यही सच्ची मजबूती है।

महेश नवमी पर माहेश्वरी भवन में भगवान महेश का हुआ रुद्राभिषेक व अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माहेश्वरी समाज के 5159वें वंशोत्पत्ति दिवस 'महेश नवमी' के अवसर पर मंगलवार को माहेश्वरी भवन, में भगवान महेश का श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजा संपन्न हुई। माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष राजेश-पूजा मारू ने सपत्नीक यजमान के रूप में विधिवत रुद्राभिषेक में भाग लेकर भगवान शिव की पूजा की। वैदिक परंपरा के अनुसार पंडित बद्रीप्रसादजी तथा अन्य विद्वान विप्रजनों ने मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक अनुष्ठान संपन्न किया। रुद्राभिषेक के दौरान भगवान महेश का दुग्ध, दही, घृत, मधु एवं पवित्र जल से अभिषेक किया गया।

उपस्थित श्रद्धालुओं ने महेश नवमी के आध्यात्मिक महत्व को स्मरण करते हुए माहेश्वरी समाज की गौरवशाली परंपराओं एवं संस्कारों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया। रुद्राभिषेक के पश्चात माहेश्वरी भवन परिसर में अन्नदान सेवा के दौरान राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में भगवान महेश की महाआरती की गई तथा समस्त श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, सामाजिक समरसता और जनकल्याण की प्रार्थना की। इस आध्यात्मिक आयोजन में समाज के अनेक गणमान्य सदस्य, महिलाएं, युवा एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

'हिंदी और देवनागरी राष्ट्रीय एकता के सशक्त माध्यम हैं'

शहर में संपन्न हुआ नागरी लिपि राष्ट्रीय अधिवेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नागरी लिपि परिषद नई दिल्ली एवं बेंगलूरु हिंदी अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में जैन विश्वविद्यालय में 50वाँ नागरी लिपि राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न हुआ। अधिवेशन का विषय 'देवनागरी लिपि सहित दक्षिण भारतीय लिपियाँ और भारतीय ज्ञान परंपरा' था जिसमें विभिन्न राज्यों से आए विद्वानों, साहित्यकारों, शोधकर्ताओं तथा हिंदी-सेवियों ने सहभागिता कर हिंदी भाषा, देवनागरी लिपि और भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन पर चिंतन-मनन किया। उद्घाटन सत्र में नागरी लिपि परिषद के महामंत्री डॉ. हरिसिंह पाल, बेंगलूरु नॉर्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीके रवि, डॉ. इसपाक अली, डॉ. राजलक्ष्मी कृष्णन, फादर एमजे थॉमस सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। बेंगलूरु हिंदी अकादमी के अध्यक्ष डॉ. इसपाक अली ने स्वागत भाषण दिया। राष्ट्रीय संयोजक डॉ.मलकप्पा अलियास महेश ने कन्नड़ भाषा में सभी अतिथियों का स्वागत किया। देश के विभिन्न राज्यों से आए अनेक साहित्यकारों नागरी श्री सेवी सम्मान दिया गया। इसके बाद नागरी लिपि परिषद का राष्ट्रीय स्तर का सम्मान 'विनोबा नागरी पुरस्कार' (संस्थागत) बेंगलूरु हिंदी अकादमी, बेंगलूरु को दिया गया और व्यक्तिगत डॉ. सीजे प्रसन्नकुमारी को दिया गया। इसके अलावा नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली की ओर से न्यायमूर्ति शारदाचरण, मैत्रा राष्ट्रीय सम्मान' वाइस चांसलर डॉ. बीके रवि को, राष्ट्रीय नागरी सम्मान डॉ. राजलक्ष्मी कृष्णन को, गौरी दत्त नागरी सम्मान डॉ. इसपाक अली को, निर्मला देशपांडे स्मृति नागरी सम्मान डॉ. विजया भारती जेल्दी को दिया गया। अधिवेशन में विभिन्न 13 शोध पत्रिकाओं, साहित्यिक कृतियों एवं पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। ङ्कअपने बीज वक्तव्य में डॉ. इसपाक अली ने देवनागरी लिपि के ऐतिहासिक विकास, भारतीय शिक्षा व्यवस्था तथा मातृभाषा-आधारित ज्ञान परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ. हरिसिंह पाल ने कहा कि कर्नाटक में ही देवनागरी आंदोलन का प्रारंभिक बीजारोपण हुआ था और आज आवश्यकता है कि विलुप्त होती भाषाओं, लोककथाओं तथा लोकगीतों के संरक्षण के लिए संगठित प्रयास किए जाएँ। मुख्य अतिथि प्रो. डॉ रवि ने कहा कि हिंदी और देवनागरी राष्ट्रीय एकता के सशक्त माध्यम हैं तथा वर्तमान समय में लिपियों के डिजिटलीकरण और तकनीकी सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। डॉ. मैथिली राव ने शिलालेख से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक भारतीय लिपियों की यात्रा' विषय पर भारतीय लिपियों के विकास, तकनीकी चुनौतियों एवं डिजिटल युग की आवश्यकताओं को रेखांकित किया। डॉ. कोयल विश्वास ने देवनागरी लिपि और भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्संबंधों पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए इसकी वैज्ञानिक संरचना और व्यापक उपयोगिता को स्पष्ट किया। सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. मालतेश मैलार ने हिंदी ई-टूल्स 'सीखें, समझें और अपनाएँ' विषय पर आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संसाधनों तथा हिंदी कार्यों को सरल बनाने वाले डिजिटल उपकरणों की जानकारी दी। ङ्कसत्र के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता डॉ. हरिसिंह पाल ने सभी वक्ताओं के विचारों का समाहार प्रस्तुत करते हुए देवनागरी की वैज्ञानिकता, सार्वभौमिकता तथा भारतीय ज्ञान परंपरा में उसकी महत्ता को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र का संचालन अनिता तोमर ने किया। कार्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, समापन एवं सम्मान सत्र का संचालन क्रमशः मेघना दवे, माधुरी क्षीरसागर एवं रेनू कुकरेती ने किया।

मंत्री प्रियंक खरगे सुर्खियों में बने रहने के लिए आरएसएस को निशाना बनाते हैं : तेजस्वी सूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूर्या ने कहा, ऐसा लगता है किसी ने उन्हें जनसंपर्क की बहुत अच्छी सलाह दी है। सलाह यह है कि अगर आप रोजाना खबरों में बने रहना चाहते हैं और खुद मुख्यमंत्री से भी ज्यादा टेलीविजन पर दिखना चाहते हैं, तो यही रणनीति है। हर दिन आरएसएस पर हमला करें। भाजपा सांसद ने दावा किया कि बेंगलूरु और कर्नाटक के दूसरे हिस्सों में कंपनियों ने जमीन अधिग्रहण में आने वाली दिक्कतों, खराब अवसंरचना, बिजली की भरोसेमंद आपूर्ति न होने और भ्रष्टाचार को लेकर चिंता जताई है।

बेंगलूरु। बेंगलूरु दक्षिण से लोकसभा सदस्य तेजस्वी सूर्या ने मंगलवार को कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि खरगे राज्य में निवेश, उद्योग और रोजगार पैदा करने से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज करके, सिर्फ सुर्खियों में बने रहने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमला करने पर ध्यान दे रहे हैं। बेंगलूरु में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने आरोप लगाया कि मंत्री ऐसे समय में कामकाज के बजाय राजनीतिक संदेश देने को प्राथमिकता दे रहे हैं, जब कर्नाटक को औद्योगिक निवेश और कारोबार के विस्तार के लिए पड़ोसी राज्यों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

सूर्या ने कहा, ऐसा लगता है किसी ने उन्हें जनसंपर्क की बहुत अच्छी सलाह दी है। सलाह यह है कि अगर आप रोजाना खबरों में बने रहना चाहते हैं और खुद मुख्यमंत्री से भी ज्यादा टेलीविजन पर दिखना चाहते हैं, तो यही रणनीति है। हर दिन आरएसएस पर हमला करें। भाजपा सांसद ने दावा किया कि बेंगलूरु और कर्नाटक के दूसरे हिस्सों में कंपनियों ने जमीन अधिग्रहण में आने वाली दिक्कतों, खराब अवसंरचना, बिजली की भरोसेमंद आपूर्ति न होने और भ्रष्टाचार को लेकर चिंता जताई है, जिसकी वजह से उनमें से कुछ कंपनियां राज्य के बाहर मौके तलाश रही हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य निवेश के लिए वैकल्पिक जगहें देकर ऐसी कंपनियों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। सूर्या ने उदाहरण के तौर पर तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के उन नेताओं का जिक्र किया, जिन्होंने उन कंपनियों से संपर्क किया जो कर्नाटक में कारोबार के माहौल को लेकर सार्वजनिक रूप से असंतोष जता चुकी थीं। उनके अनुसार, दूसरे राज्य निवेश हासिल करने, रोजगार पैदा करने और अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए जोर-शोर से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, पड़ोसी राज्य कंपनियों को अपने यहां लाने, निवेश आकर्षित करने, युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए जोर-शोर से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। जहां वे निवेश आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं हमारे लोग हर सुबह उठकर आरएसएस के बारे में बातें करते हैं। भाजपा के लोकसभा सदस्य ने कांग्रेस सरकार पर यह आरोप भी लगाया कि वह ठोस प्रशासनिक नतीजे देने के बजाय प्रचार-प्रसार पर ज्यादा निर्भर है। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने 15 जून को आरएसएस से कहा कि वह अपना पंजीकरण कराए, अपनी कानूनी स्थिति स्पष्ट करे और निधि, आय, खर्च और संपत्ति के स्रोतों का खुलासा करे। उन्होंने तर्क दिया कि संगठन को पारदर्शिता और संवैधानिक जवाबदेही बनाए रखनी चाहिए। आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे होने का जश्न समाप्त होने की ओर बढ़ने के बीच प्रियंक खरगे ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर संगठन की स्थिति के बारे में स्पष्टीकरण मांगा।

दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद मैं वापस आऊंगा दूसरे हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर छाई

नई दिल्ली/भाषा। फिल्मकार इम्तियाज अली की विभाजन पर आधारित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई है। फिल्म को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया की वजह से दूसरे सप्ताह में इसकी बॉक्स ऑफिस पर कमाई धीमी होने के बजाय और तेज हो गई है।

नसीरुद्दीन शाह, दिलजीत दोसांझ, वेदांग रैना और शरवरी अभिनीत यह फिल्म 12 जून को सकारात्मक समीक्षाओं के साथ प्रदर्शित हुई थी, लेकिन पहले सप्ताह में सिनेमाघरों में इसकी शुरुआत धीमी रही।

हालांकि, सकारात्मक समीक्षाओं और दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया ने फिल्म की रफ्तार को और तेज कर दिया है, जिसके बाद सिनेमाघर मालिकों और वितरकों ने बढ़ती मांग को देखते हुए देशभर में इसके शो बढ़ा दिए हैं।

फिल्मों के कारोबार पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'सैकनिल्क' के अनुसार, 'मैं वापस आऊंगा' ने रिलीज के बाद से 10वें दिन अपनी अब तक की सबसे बड़ी एकल-दिवसीय कमाई दर्ज की है और देशभर में 1,971 शो से 5.75 करोड़ रुपए का शुद्ध कारोबार किया।

फिल्म ने सोमवार को 2.50 करोड़ रुपए की कमाई जोड़ने के बाद अब तक 26.75 करोड़ रुपए का शुद्ध कारोबार कर लिया है।

निर्देशक अली ने 'जब वी मेट', 'लव आज कल', 'रॉकस्टार', 'हाईवे' और 'अमर सिंह चमकीला' जैसी चर्चित फिल्में दी हैं। उन्होंने कहा कि वह दर्शकों द्वारा उनकी नई फिल्म को जबरदस्त समर्थन दिया जा रहा है वह उससे अभिभूत हैं।

अली ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''आखिरकार जनता (ही) जनार्दन है।

ब्रेक्जिट के 10 साल बाद भी राजनीतिक उथल-पुथल जारी, सातवें प्रधानमंत्री की तैयारी में ब्रिटेन

लंदन/भाषा। आज से ठीक 10 वर्ष पहले जनमत संग्रह से ब्रिटेन के यूरोपीय संघ (ईयू) से अलग होने का मार्ग प्रशस्त हुआ था। ब्रेक्जिट के उस ऐतिहासिक फैसले के प्रभाव आज भी दिखाई दे रहे हैं और देश एक दशक में अपने सातवें प्रधानमंत्री के लिए तैयारी कर रहा है।केअर स्टॉर्मर ने अपनी लेबर पार्टी के सांसदों का विश्वास खोने के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और फिलहाल कार्यवाहक प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए तीन सप्ताह की समय-सीमा निर्धारित की है। हालांकि, मंगलवार तक की स्थिति के अनुसार, मेकरफील्ड से नव-निर्वाचित सांसद एंडी बर्नहैम के निर्विरोध चुने जाने की संभावना मजबूत दिख रही है, क्योंकि उनकी उम्मीदवारी के समर्थन में पार्टी सदस्यों की बड़ी संख्या खड़ी है। ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व महापौर एंडी बर्नहैम ने कहा, ''स्टॉर्मर ने हमारे देश की बहुत बड़ी सेवा की है और मैं इस चुनौतीपूर्ण दौर में उनके नेतृत्व और समर्पण के लिए उनका धन्यवाद करना चाहता हूं।'' बर्नहैम ने कहा, ''उनका यह फैसला एक बदलाव की शुरुआत का संकेत है और यह महत्वपूर्ण है कि यह प्रक्रिया व्यवस्थित तथा जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से पूरी की जाए। मैं इस प्रक्रिया के तहत अपनी दावेदारी पेश करूंगा।'' सोमवार को प्रधानमंत्री कार्यालय '10 डाउनिंग स्ट्रीट' में स्टॉर्मर के भावुक संबोधन के तुरंत बाद बर्नहैम ने 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में सांसद के रूप में औपचारिक रूप से शपथ ली।

जीतो योग संगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) बेंगलूरु साउथ ने महिला विंग और योगाट्यूट के साथ मिलकर 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 'योग संगम 2.0-स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' कार्यक्रम मैसूर ट्यूब सप्लायर के सौजन्य से लाल बाग के गोल्डन जुबली हॉल में आयोजित हुआ। साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। योगाट्यूट हेल्थ की डायरेक्टर योग गुरु सुषमा भारती ने योग सत्र का संचालन किया, जिसमें 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों का प्रशिक्षण दिया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतीक गांधी और कोमल भंडारी ने संचालन किया तथा सफल सकारिया ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

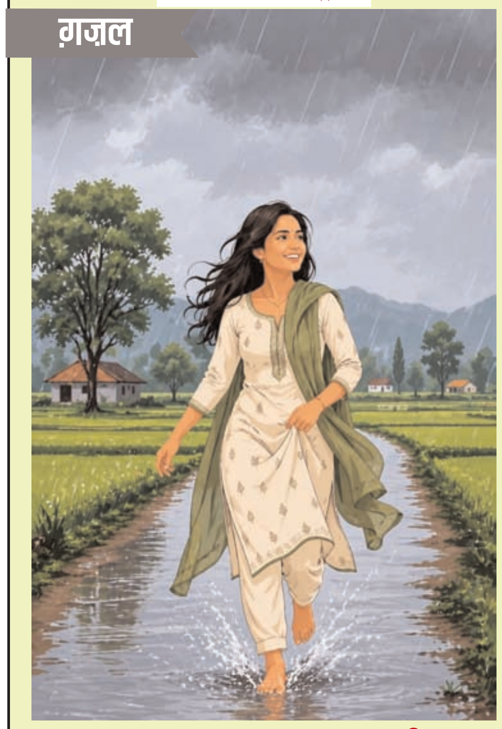

प्रथम बरसात का पानी

नहीं सोने दिया होगा, प्रथम बरसात का पानी,
किया होगा कोई सपने में, आकर खूब मनमानी।

टपकते देखकर बालों से, बूंदों को बगीचे में,
तुम्हारी भी हुई होगी, गुलों के साथ जजमानी।

इरादें हों अगर मजबूत, तो मिल जाती है मंज़िल,
खुदा करता है दिलवालों की, इस दुनिया में अगवानी ।

तुम्हें भी अच्छी लगती होंगी, बातें रोज़ उल्फ़त की ,
कभी चुपके से कुछ कह जाती, होगी रुत ये मस्तानी ।

मुहब्बत का सफ़र आसां, नहीं होता कभी 'नवरंग'
जहां में चाहने वालों की, किस्मत में है कुर्बानी।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

पीजी मालिक की हमले में मौत, दो छात्र गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में दो छात्रों द्वारा बैट से कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद एक 'पेइंग गेस्ट' (पीजी) के मालिक की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी होने के बाद यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान माधव माटले (37) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे कस्तूरीनगर मेन रोड के निकट स्थित माटले के पीजी के बाहर हुई। पुलिस ने बताया कि माटले ने कथित तौर पर आरोपियों के परिसर के भीतर नल के पानी से पैर धोने पर आपत्ति जताई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए बताया कि राकेश और डॉन ब्राइट सन पीजी परिसर में नल के पानी से अपने पैर धो रहे थे, जिस पर मालिक ने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि दोनों आरोपी आपस में दोस्त हैं और जिस पीजी में यह घटना हुई, वहां नहीं रहते थे। उन्होंने बताया कि घटना के समय दोनों कथित तौर पर शराब के नशे में थे।

अधिकारी के अनुसार, इसी बीच माटले आरोपियों को मारने के लिए एक बैट लेकर आए। हालांकि, दोनों ने कथित तौर पर बैट छीन लिया और उससे माटले पर हमला कर दिया, जिससे चोटों के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में राममूर्ति नगर थाने में हत्या का मामला दर्ज दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, राकेश बी.कॉम. अंतिम वर्ष का छात्र है, जबकि डॉन ब्राइट सन 'बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' के प्रथम वर्ष का छात्र है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

उदघाटन

बेंगलूरु में कैंसर के इलाज में बदलाव लाने के उद्देश्य से केआईएमएस हॉस्पिटल्स (कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज), महादेवपुरा में केआईएमएस रेनोवा ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया गया। संस्थान का उद्घाटन भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दिग्गज पूर्व खिलाड़ी और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में क्रिकेट प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने किया। यह बेंगलूरु में कैंसर देखभाल क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

नयी दिशा महिला मंडल द्वारा विद्यार्थियों को बांटी गई स्कूल यूनिफॉर्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नयी दिशा महिला मंडल द्वारा संस्था की अध्यक्ष संगीता गांधी एवं सचिव उषा बोहरा की उपस्थिति में होम्बेगौड़ा नगर स्थित सरकारी हाईस्कूल के 101 विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की गई। साथ ही मंडल ने विद्यालय की संपूर्ण विद्युत वायरिंग को बदलवाकर नई वायरिंग तथा बोरवेल की वायरिंग का कार्य भी पूर्ण कराया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक सरकार के शिक्षा विभाग के अधिकारी राममूर्ति उपस्थित थे।

एआई आईटी कंपनियों की जगह नहीं लेगा, बल्कि उन्हें मजबूत करेगा: नीलेकणि

नई दिल्ली/भाषा। इन्फोसिस के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) आईटी कंपनियों की जगह नहीं लेगा, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी 2030 तक 400 अरब डॉलर के एआई-केंद्रित सेवाओं के बड़े अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार है। कंपनी की 45वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए नीलेकणि ने तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों के कारण आईटी उद्योग के सामने मौजूद ''अस्तित्व से जुड़े सवाल'' पर चर्चा की।

कर्नाटक राज्य रेहड़ी-पटरी विक्रेता महासंघ के सदस्यों ने मंगलवार को बेंगलूरु जिले में रेहड़ी-पटरी वालों (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए सुरक्षा और अधिकारों की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**